mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-240 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
30 अगस्त 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

तिरुअनंतपुरम पहुंचे...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

दरगाह और मदरसों में भी चलेगा सदस्यता अभियान

- बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी 2 सितंबर से सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है। इसमें बड़े स्तर पर लोगों को पार्टी से जोड़ने की तैयारी है। अल्पसंख्यक मोर्चा को भी इसे लेकर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

अल्पसंख्यक मोर्चा को देश में 50 लाख सदस्य जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पार्टी मदरसा और दरगाह समेत कई स्थानों तक पहुंचेगी। इसके अलावा बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय और सिख समुदाय के सदस्यों को भी पार्टी में शामिल करने के लिए कोशिश की जा रही है।

जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा में 3 आतंकी ढेर

- माछिल में 2, तंगधार में एक घुसपैठिया मारा गया, राजौरी में भी आतंकियों की तलाश जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें दो माछिल और एक तंगधार में मारा गया। अभी मारे गए आतंकियों के शव बरामद नहीं हुए हैं। सेना ने बताया कि माछिल और तंगधार में 28-29 अगस्त की देर रात खराब मौसम के बीच संदिग्ध गतिविधि देखी गई।

सितंबर में भारत आएंगे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

- पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात, व्यापार और रणनीतिक संबंधों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान अगले महीने भारत की यात्रा पर होंगें। नाहयान संयुक्त अरब अमीरात के अगले नेतृत्व के दावेदार हैं। वह भारत और यूएई के बीच व्यापार और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बातचीत करने के अगले महीने की शुरुआत में भारत में शिरकत करेंगे। शेख खालिद के 8 सितंबर को भारत आने की उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और यह यात्रा आने वाले दशकों में भविष्य के संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर केंद्रित होगी।

गुजरात में बाढ़ और बारिश से भारी तबाही

हर ओर मचा हाहाकार, देखते-देखते पानी में समा गए शहर!

कई जिलों में हालात हैं बेकाबू, अब तक 35 लोगों की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में भारी बारिश से हालात बिगड़े चुके हैं। बारिश से संबंधित घटनाओं में राज्य में 35 लोगों की और मौत हो गई। जिससे सोमवार से तीन दिनों में मरने वालों की संख्या 35 हो गई। जबकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से करीब 17,800 लोगों को निकाला गया है। राज्य के कई हिस्सों में बुधवार को लगातार चौथे दिन भारी बारिश हुई। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल द्वारा राहत और बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं । इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

स्थिति का जायजा लेने और संकट में केंद्र का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को फोन किया। बुधवार को सौराष्ट्र क्षेत्र के देवभूमि द्वारका, जामनगर, राजकोट और पोरबंदर जैसे जिलों में शाम 6 बजे तक 12 घंटों में 50 मिमी से 200 मिमी तक बारिश हुई। इस अवधि के दौरान देवभूमि द्वारका के भानवद तालुका में 185 मिमी बारिश हुई ,जो राज्य में सबसे अधिक है। वडोदरा शहर में बारिश थम गई, लेकिन विश्वामित्री नदी में बाढ़ के कारण कई निचले इलाके अभी भी जलमग्न हैं। अपने घरों और छतों में फंसे लोगों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना की तीन टुकड़ियों ने बचाया और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के साथ-साथ सेना, वायुसेना भी बचाव में जुटे हैं।

15 लोगों की मौत

गांधीनगर में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि मंगलवार को 15 लोगों की मौत हुई, जबकि बुधवार को चार लोगों की मौत की सूचना मिली। जिला कलेक्टरों ने मोरबी में चार और राजकोट जिले में दो लोगों की मौत की सूचना दी। मंगलवार को दीवार गिरने की घटनाओं में आणंद जिले के खाड़ोधी गांव में तीन, महिसागर के हरिपुरा गांव में दो, अहमदाबाद के धींगरा गांव और साणंद में दो-दो तथा खेड़ा के चित्रसर गांव में एक व्यक्ति की मौत हो गई। भरूच के पिलुदरा गांव, जूनागढ़ के मंगरोल गांव, पंचमहल के हलोल, अहमदाबाद के धोलका

तालुका और अहमदाबाद शहर के मणिनगर में एक-एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई, जबकि सुरेन्द्रनगर के ध्रांगदरा में दो व्यक्ति डूब गए। एसईओसी ने बुधवार को चार मौतें दर्ज कीं। डांग के आहवा और जामनगर के ध्रोल में एक-एक व्यक्ति डूब गया, अरावली के मालपुर में दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और देवभूमि द्वारका के बहनवाड़ में पेड़ गिरने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं 25 और 26 अगस्त को राज्य के विभिन्न हिस्सों में डूबने, पेड़ गिरने और दीवार गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई थी।

असम में मुस्लिम शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन जरूरी

- सीएम हिमंत बोले-बाल विवाह और काजी सिस्टम खत्म होगा, अगला टारगेट बहुविवाह पर बैन

दिसपुर (एजेंसी)। असम विधानसभा ने गुरुवार को मुस्लिम शादियां और तलाक रजिस्टर करने वाले 90 साल पुराने कानून- असम मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1935 को रद्द करने का बिल पास किया। इस बिल का नाम असम कंपल्सरी रजिस्ट्रेशन ऑफ मुस्लिम मैरिज

एंड डिवोर्स बिल, 2024 है। पुराने कानून के रद्द किए जाने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों को शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा।

22 अगस्त को असम कैबिनेट ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह विधेयक पार्टी की राजनीति से ऊपर है। अब हमारा अगला लक्ष्य बहुविवाह पर बैन लगाना है। विपक्ष ने असम सरकार के इस फैसले को मुस्लिमों के प्रति भेदभावपूर्ण बताया है।

सिर्फ कोलकाता की ही बात न करें, गुस्सा और भी जगह है

- राष्ट्रपति मुर्मू से कांग्रेस की अपील, कहा- सभी क्षेत्रों के लिए आवाज उठाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर की गई टिप्पणी का स्वागत किया। हालांकि पार्टी ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि वह सिर्फ एक क्षेत्र के बजाय सभी क्षेत्रों और राज्यों के लिए आवाज उठाएं।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि वह राष्ट्रपति के बयान का स्वागत करते हैं लेकिन उन्हें फर्रुखाबाद, कोल्हापुर, बदलापुर, पुणे जैसे शहरों की घटनाओं पर भी बोलना चाहिए। समाचार एजेंसी से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा, मैं राष्ट्रपति के इस बयान और हस्तक्षेप का स्वागत करता हूं। पूरा देश आक्रोशित है लेकिन देश का आक्रोश सिर्फ कोलकाता की घटना को लेकर नहीं है, बल्कि फर्रुखाबाद, कोल्हापुर, बदलापुर, पुणे, रत्नागिरी, जोधपुर, कटनी जैसे कई मामलों को लेकर भी है। खेड़ा ने कहा, राष्ट्रपति को देश भर में व्याप्त आक्रोश को अभिव्यक्त करना चाहिए न कि केवल एक क्षेत्र या राज्य में। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने विशेष लेख में कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या पर पहली बार अपनी बात रखी है और महिलाओं के खिलाफ जारी अपराधों पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने ''महिलाओं की सुरक्षा बस! बहुत हो चुका!''

मिशन हरियाणा में आधे से ज्यादा विधायकों का कट सकता है टिकट

- विधानसभा चुनाव जीतने के लिए बीजेपी का बड़ा प्लान,दिल्ली में बैठक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व प्रत्याशियों के नामों को लेकर मंथन करेगा। लोकसभा चुनाव में लगे झटके के बाद भाजपा नेतृत्व विधानसभा चुनाव के लिए सामाजिक समीकरणों को साधने में जुटा है। पार्टी सत्ता विरोधी माहौल की काट के लिए करीब आधे मौजूदा विधायकों के टिकट भी काट सकती है। लोकसभा चुनाव में जिन सांसदों को टिकट नहीं मिला था। उनके नाम पर पार्टी विचार कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया कि भाजपा अपनी अंदरूनी सर्वे पर मौजूदा आधे विधायकों के टिकट काटने का मन बनाया है। शाम को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में राज्य की सभी सीटों के लिए नामों पर मंथन होगा। पार्टी पहली सूची में लगभग 50-60 प्रत्याशियों के नाम जारी कर सकती है। लोकसभा चुनाव नहीं लडीं पूर्व सांसद सुनीत दुग्गल को भी टिकट मिलने की संभावना है। दूसरे दलों से आए आधा दर्जन नेताओं को भी टिकट दिए जा सकते हैं। बता दें, हरियाणा भाजपा के लिए इस बार का चुनाव काफी अहम है। बीते 10 साल से राज्य में सत्ता में रहने के कारण उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सामाजिक समीकरणों को साधने का दबाव भी है। बीजेपी ने 10 साल पहले 2014 में पूर्ण बहुमत से राज्य में सरकार बनाई थी।

जेटीसी करेगी शिवाजी महाराज की स्टेच्यू गिरने के मामले की जांच

- इंडियन नेवी ने जारी किया बयान,नेवी करेगी कमेटी की अध्यक्षता

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज के स्टेचू के गिरने के मामले की जांच के लिए एक जॉइंट टेक्निकल कमिटी बनाई जा रही है। इंडियन नेवी ने बयान जारी कर कहा कि इस जॉइंट टेक्निकल कमिटी की अध्यक्षता इंडियन नेवी करेगी और इसमें महाराष्ट्र सरकार के साथ ही टेक्निकल एक्सपर्ट भी होंगे। असामान्य मौसमीय परिस्थितियों में यह स्टैचू गिर गई थी और अब इसके नुकसान की जांच के लिए यह जॉइंट टेक्निकल कमिटी काम करेगी। इस स्टेचू का 4 दिसंबर 2023 को नेवी डे के उपलक्ष्य में सिंधुदुर्ग में पहली बार आयोजित समारोह के दौरान अनावरण किया गया था। इस समारोह का मकसद मराठा नौसेना और छत्रपति शिवाजी महाराज की समुद्री रक्षा और सुरक्षा में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को सम्मानित करना था, और इसे आधुनिक भारतीय नेवी से जोड़ना था।

पूर्व आईएएस पूजा खेडकर पांच सितंबर तक नहीं होंगी गिरफ्तार

दिल्ली हाईकोर्ट ने बढ़ाई राहत, फर्जीवाड़ा और धोखाधड़ी के लगे हैं आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पूर्व आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से मिली अंतरिम सुरक्षा 5 सितंबर तक बढ़ा दी है। उन पर यूपीएससी परीक्षा में धोखाधड़ी करके मान्य सीमा से ज्यादा बार परीक्षा देने का आरोप है। पूजा खेडकर पर यूपीएससी ने पिछले महीने कई कार्यवाइयां शुरू की थीं। इनमें फर्जी पहचान से सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज करना भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। 31 जुलाई को यूपीएससी ने पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं से भी वंचित कर दिया था। पूजा खेडकर का कहना है कि चयन और नियुक्ति के बाद, यूपीएससी ने उन्हें अयोग्य घोषित करने का अधिकार नहीं है। उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई केवल केंद्र सरकार का कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ही कर सकता है। पूजा ने अपने ऊपर लगे फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ी के आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने चार पन्नों के जवाब में दावा किया है कि उन्होंने 2012 से 2022 तक न तो अपना पहला नाम बदला है और न ही अपना उपनाम।

रिलायंस एजीएम में एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान

- 100 जीबी फ्री स्टोरेज मिलेगा, जियो दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बनी

मुंबई (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड गुरुवार को अपनी 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इसमें जियो यूजर्स को 100 जीबी तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। क्लाउड स्टोरेज में फोटो, वीडियो, डाक्यूमेंट सहित अन्य डिजिटल कंटेंट को स्टोर किया जा सकेगा। इस ऑफर को दीवाली पर लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही अंबानी ने कहा कि रिलायंस 5 सितंबर को 1-1 रेश्यो में बोनस शेयर देने पर विचार करेगी। अंबानी ने कहा- जियो आठ सालों में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बन गई है। प्रत्येक जियो यूजर प्रति माह 30 जीबी डेटा का कंजम्पशन करता है। इसकी कीमत वर्ल्ड एवरेज की एक चौथाई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। इन्सेंटिव बेस्ड एम्प्लॉयमेंट

सिस्टम,रिलायंस ने नया इन्सेंटिव बेस्ड एम्प्लॉयमेंट सिस्टम अपनाया है। कंपनी ने पिछले साल 17 लाख नौकरियां दी। वहीं कंपनी ने मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में रिसर्च और डेवलपमेंट पर 3,643 करोड़ से अधिक खर्च किया है। रेवेन्यू 1 लाख करोड़ रुपए के पारः जियो फास्टैस्ट ग्रोइंग डिजिटल कंपनी बनी हुई है। इसका रेवेन्यू 1 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। इसने देश को 5 जी डार्क से 5 जी ब्राइट में तब्दील किया है। बीते साल जियो टू 5 जी का पूरे देश में रोलआउट कंप्लीट किया गया। जियो फोनकॉल एआई लॉन्चः रिलायंस जियो ने एक नई एआई-पावर्ड सर्विस लॉन्च की। यह नया एआई फीचर जियो यूजर्स के रोजमर्रा के फोन कॉल में,एआई फीचर को इंटीग्रेट करता है। यूजर फोन कंवर्सेशन को रिकॉर्ड, ट्रांसक्रिप्ट और ट्रांसलेट कर सकेंगे। एवरेज मंथली डेटा यूज 30 जीबी मुकेश अंबानी ने बताया- जियो के 49 करोड़ कस्टमर हैं। हर जियो कस्टमर एवरेज 30 जीबी डेटा मंथली यूज कर रहा है। मौजूदा डेटा प्राइस, ग्लोबल एवरेज का एक चौथाई और विकसित देशों में डेटा प्राइस का 10 फीसदी है। जियो होम में नए फीचर्स मिलेंगेः जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने बताया- जियो होम में नए फीचर्स का ऐलान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल में 4 स्थानीय अवकाश घोषित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल जिले के लिए राज्य शासन द्वारा घोषित स्थानीय अवकाश के तहत मंगलवार, 17 सितम्बर 2024 को अनंत चतुर्दशी को भोपाल जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा । इसी प्रकार अन्य स्थानीय अवकाशों में शुक्रवार 11 अक्टूबर को दशहरा (महाष्टमी)/दशहरा (महानवमी) और शुक्रवार 01 नवंबर को दीपावली का दूसरा दिन के लिए संपूर्ण भोपाल जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। भोपाल गैस त्रासदी स्मृति दिवस मंगलवार, 03 दिसम्बर 2024 को केवल भोपाल शहर के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

जीवन प्रमाण पत्र एप से पेंशन धारक प्रस्तुत कर सकते हैं प्रमाण - पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार की जीवन प्रमाण एप्लीकेशन के माध्यम से पेंशन धारक जीवन प्रमाण – पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। नजदीकी एमपी ऑनलाईन कियोस्क, सीएससी जाएं। बैंक की किसी भी शाखा में सुविधा का उपयोग करें या घर पर भी ऑनलाइन के माध्यम से वेबसाइट पर जाकर जीवन प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर दिए गए निर्देशों का पालन कर जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाईन जमा किया जा सकता है। गूगल प्ले स्टोर में उमंग एप डाउनलोड कर सर्वप्रथम रजिस्ट्रेशन मोबाइल नम्बर एवं ओटीपी द्वारा किया जा सकता है। इसके उपरांत सेट करना होगा। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए वीडिया सुविधा प्रारंभ की गई है। इसके लिए वेबसाइट पर जाएं, पेंशन के जिस खाता संख्या में पेंशन जमा होती है उसकी प्रविष्टि कर सुविधा का प्रयोग करें। पोस्ट ऑफिस की सन्शुल्क सुविधा 70 डोर स्टेप सुविधा प्रारंभ की गई है। जिसमें पोस्टमेन स्वयं पेंशनर के आवास में विजिट कर लाईफ सर्टिफिकेट की सुविधा प्रदान करता है। जिसकी बेवसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पेंशनर्स द्वारा अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र में जाकर भी जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। डिजिटल उपकरणों के अतिरिक्त पेंशनर द्वारा अपने जिले के बैंक शाखा में जाकर भी जीवन प्रमाण पत्र मैनुअली फॉर्म जमा किया जा सकता है आवश्यकता पढ़ने पर पेंशनर जिला पेंशन अधिकारी से भी संपर्क कर सकते हैं।

वन्य-प्राणियों का शिकार बंदूक से करने वाले राजा शरीफ की जमानत याचिका खारिज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) ने बताया है कि स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा प्रकरण में की गई सटीक विवेचना के आधार पर प्रकरण में शामिल मुख्य आरोपी राजा शरीफ की जमानत याचिका सत्र न्यायालय जबलपुर से 24 अगस्त को खारिज की गई। प्रकरण में विवेचना जारी है। उल्लेखनीय है कि स्टेट टाइगर फोर्स मध्यप्रदेश एवं पुलिस उपायुक्त नागपुर शहर के अपराध अंतर्गत दर्ज प्रकरण की विवेचना में मुख्य आरोपी राजा शरीफ नागपुर के पास से जब्त मोबाइल में सिवनी-बरघाट मध्यप्रदेश के जंगल में वन्य-प्राणी सांभर, चीतल एवं नीलगाय का बंदूक से रात्रि के समय उनके प्राकृतिक आवास में अवैध प्रवेश कर शिकार कर फोटो-वीडियो बनाये गये थे। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को नागपुर एवं 3 आरोपी को सिवनी जिले से 3 अगस्त को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया था।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर हुई कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। माह अगस्त-2024 की राशन सामग्री उचित मूल्य दुकानों से अभी तक नहीं लेने वाले परिवारों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता अपनी अथवा वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत किसी भी उचित मूल्य की दुकान से 31 अगस्त-2024 तक राशन प्राप्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देशित किया था कि समय पर राशन सामग्री नहीं प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए। बुधवार को 13 लाख 33 हजार 542 परिवारों को एसएमएस किये जा चुके हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अगस्त माह में अभी तक 87 प्रतिशत परिवारों ने राशन ले लिया है। शेष परिवारों को सूचना दी जा रही है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल का सिन्धु सभा ने किया अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल का सिंधु भवन रीवा में सिंधु सभा द्वारा अभिनंदन किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आप सब के स्नेह से मुझे संबल मिलता है जिससे मैं अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करता हूँ। उन्होंने सिन्धु सभा एवं शहरवासियों द्वारा प्रदत्त स्नेह के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर रीवा शहर एवं जिले को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जायेंगे।

युवा देश का वर्तमान हैं और कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है : कृष्णा गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि कि युवा हमारे देश का वर्तमान हैं।

और एक बात सदैव याद रखें कि कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है, जीवन में सफलता का कोई शॉटकट नहीं होता। राज्यमंत्री श्रीमती गौर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। श्रीमती गौर ने कहा कि एक अभिभावक के रूप में विश्वविद्यालय के एक-एक बच्चे को विश्वास दिलाना है, भरोसा देना है जिससे वह स्वतंत्रता के साथ यहां रहकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने पूरे मध्यप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय

में इस प्रकार के दीक्षा समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य है कि हमारे नव प्रवेशित विद्यार्थियों को इस नए वातावरण में अपने आप को समाहित करने का अवसर मिले। विद्यार्थी को एक सकारात्मक वातावरण मिले, जिससे विद्यार्थी जो अपने सपने को लेकर वह यहां आए हैं उसे पूरा कर सके। विश्वविद्यालय परिवार के साथ समन्वय बैठा कर अपने सपने को साकार कर सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से धन्यवाद करती हूं जिनके निर्णय का उच्च शिक्षा विभाग ने पालन करते हुए हमारे नव प्रवेश विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार का समारोह आयोजित किया है। हमारी यह युवा पीढ़ी, जिसको हम भावी पीढ़ी मानते हैं और हमेशा कहते हैं कि हमारा युवा इस देश का भविष्य है, आप देश का वर्तमान भी है। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. के.सी. सुश्री अनीता और विश्वविद्यालय परिवार के सभी प्रोफेसर, गणमान्य नागरिक और युवा ऊर्जावान विद्यार्थी उपस्थित थे।

भैरव मंदिर गुढ़ का कार्य नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करें -उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में भैरव मंदिर गुढ़ के जीर्णोद्धार कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि इस ऐतिहासिक मंदिर के भव्य जीर्णोद्धार का कार्य नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण कर लिया जाए।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर को आकर्षक और सुंदर बनाने के अन्य कार्य भी समय-सीमा में किए जायें ताकि पर्यटक व श्रद्धालु यहाँ की भव्यता व मनोरम दृश्य को देख सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर माह के दूसरे सप्ताह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

यादव द्वारा इन कार्यों का लोकार्पण प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भैरवनाथ मंदिर के समीप रिक्त भूमि में गौवंश वन्य विहार की स्थापना की जाएगी और इसे बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की तरह विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रस्तावित भूमि में फेंसिंग कार्य कराकर शेड निर्माण कार्य प्रारंभ कराने और गौवंश वन्य विहार का मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिये।

गुढ़ इन्डस्ट्रियल एरिया में पानी पहुंचाने के कार्य को 2 माह की अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित जन-प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा के लिये संचालित आवासीय छात्रावास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा का बढ़ावा देने के लिये राज्य शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसमें मुख्य रूप से विद्यार्थियों के आवास की सुविधा तथा पढ़ाई के लिये अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की दृष्टि से बालक एवं बालिकाओं के लिये अलग-अलग जूनियर, सीनियर और महाविद्यालयीन छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। इन छात्रावासों में भोजन की निःशुल्क सुविधा दी जाती है।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिये वर्तमान में जूनियर,सीनियर (उत्कृष्ट छात्रावास) महाविद्यालयीन और ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश में जूनियर छात्रावास 256, सीनियर छात्रावास 633, महाविद्यालयीन छात्रावास 108 और ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय छात्रावास 10, इस प्रकार कुल 1 हजार 933 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा हैं। इन छात्रावासों में बालक छात्रावास में 51 हजार 146 और बालिका छात्रावास में 49 हजार 6, इस प्रकार कुल एक लाख 152 छात्र-छात्राओं के लिये सीट उपलब्ध हैं। योजनान्तर्गत शाकसीय संस्थाओं में स्वीकृत सीट एक लाख 152 के विरूद्ध 80 हजार 986 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। अनुसूचित जाति वर्ग के मेधावी छात्र-छात्राओं के गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक विकास करने की दृष्टि से विभाग द्वारा राज्य के 29 अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों में एक बालक तथा एक बालिका, कुल 58 जिला स्तरीय उत्कृष्ट छात्रावास संचालित हैं। इसके अलावा 37 जिलों के विकासखंड मुख्यालयों में बालक एवं बालिका वर्ग के 271 विकासखंड स्तरीय उत्कृष्ट छात्रावास संचालित हैं। इन छात्रावासों में गुणवत्ता की दृष्टि से नाश्ता, पौष्टिक भोजन, आवास व्यवस्था, विषयवार कोचिंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, लाइब्रेरी, खेल-कूद सामग्री आदि सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ जनता के कार्य करें-जनजातीय कार्य मंत्री डा. शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री तथा रतलाम जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बुधवार को रतलाम में शासकीय योजनाओं एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री डा शाह ने निर्देशित किया कि सभी विभागों के जिलाधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता के हित में कार्य करें। आमजन की सभी समस्याओं और शिकायतों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि रतलाम शहर के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। संभाग मुख्यालय बनने के सभी नार्म्स रतलाम पूरी करता है। इसलिए रतलाम को संभाग बनाने के लिए बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया, जो राज्य शासन को भेजा जाएगा। मंत्री डॉ. शाह

द्वारा रतलाम शहर के विकास के लिए भूमि की आवश्यकता की पूर्ति के लिये आवश्यक निर्देश कलेक्टर को दिए गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि रतलाम हवाई पट्टी का विस्तार किया जाएगा, जहां बड़े प्लेन उतर सकेंगे, बड़ी हवाई पट्टी के लिए अन्यत्र भूमि चिन्हित की जाएगी। उन्होंने रतलाम विकास प्राधिकरण की योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी भेजने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि रतलाम कलेक्टर कार्यालय में प्रभारी मंत्री हेल्प डेस्क स्थापित की जाए। जहां पर कर्मचारी तैनात रहकर आम जनता से आवेदन शिकायतें प्राप्त करेंगे, जिनका निराकरण जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा।

प्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत की गई गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिये विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में शिक्षा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिये भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के सभी विकासखंडों एवं जिलों में जादू नहीं विज्ञान है- समझना-समझाना आसान है पर केन्द्रित करते हुए विज्ञान मेलों का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विज्ञान के ऐसे प्रयोगों के बारे में बताया गया, जो प्रथम दृष्टया चमत्कार के रूप में देखते हैं किन्तु वास्तव में उनके पीछे वैज्ञानिक कारण होते हैं लेकिन समाज में अंधविश्वास फैलाने के लिये इस तरह के प्रयोग किये जाते हैं। पिछले वर्ष इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की सहभागिता रही है। स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष शैक्षणिक सत्र में विज्ञान पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित करने के लिये तैयारी की जा रही है। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में कला उत्सव के माध्यम से भी स्कूलों में जाने वाले विद्यार्थियों में उनकी प्रतिभा को पहचानने का प्रयास किया गया। इसके लिये स्कूल शिक्षा और केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के साक्षरता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पहल शुरू की गई है। पिछले वर्ष शासकीय विद्यालयों में कला उत्सव का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की जीवंत पारंपरिक एंव विभिन्न कलाओं को समझने, अनुसंधान अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। कला उत्सव-2023 में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की विजेता प्रतिभागी कुमारी रूपाली लोधी को उनके विधा का नाम विजुअल आर्टस् श्री-डी के लिये भारत सरकार से पुरस्कार भी मिला है।

दलदल में तब्दील सड़क पर रोपे बेशरम के पौधे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल से लगी सूखी सेवनिया ग्राम पंचायत में दलदल में तब्दील हो चुकी सड़क पर बेशरम के पौधे रोपकर युवाओं ने विरोध जताया। जिसका वीडियो नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर शेयर कर सरकार पर हमला बोला। भोपाल के सूखी सेवनिया रेलवे स्टेशन गांव जाने वाला रास्ता कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गया है। यहां से आने-जाने वाले वाहन कई बार स्लिप हो जाते हैं। गांव तक कार ले जाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गुरुवार को गांव के युवाओं ने रास्ते पर दलदल में बेशरम के पौधे रोप दिए। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जिन महिलाओं की डिलेवरी होनी

होती है उन्हें देखने के लिए अगर डॉक्टर भी आते हैं तो उनकी गाडी भी फंस जाती है।

सरपंच से कहो तो कहते हैं कि हमारे पास फंड नहीं हैं। हम अपने बच्चों को कैसे पढ़ाएंगे। स्कूल वैन के चालक ने गांव में आने से मना कर दिया। उसकी गाड़ी बार-बार फंस जाती है। हम राजधानी भोपाल में रहते हैं, ये दीया तले अंधेरा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर वीडियो शेयर कर लिखा- ये हाल हैं एमपी के विकास के... भोपाल से विदिशा वाले रोड पर सूखी सिवनिया पंचायत के गांव की सड़कों की हालत ये हो गई कि अब लोगों ने यहां बेशरम के झाड़ लगाना शुरू कर दिए। यह करना जरूरी भी था... क्योंकि, सरकारी बेशर्मी जब सीमा पार करने लगे, तो यही रास्ता है कि जनता उसी अंदाज में जवाब दे। यदि सरकार को जनता की परवाह नहीं है, तो यही सही था कि गायब हुई सड़क पर बेशरम के झाड़ लगा दिए जाएं। बेशर्मी के जवाब में बेशरम का पौधरोपण। हुजूर से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के ट्वीट पर कहा- उनको अभी जानकारी नहीं हैं। वो अभी नए-नए हैं। मैं चाहूंगा कि प्रदेश थोड़ा घूमेंगे तो उनको ज्यादा अच्छा लगेगा। वहां रेलवे और आर्मी की जमीन का विवाद है। जब तक लीगल तौर पर एनओसी जारी नहीं होगी तब तक सड़क नहीं बनेगी। लेकिन, हर जगह सड़कें बनेंगी।

भोपाल निगम के ट्रकों में गौवंश-कलेक्टर से दखल की मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल नगर निगम के ट्रकों में गौवंश भरे होने के मामले में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से दखल देने की मांग की गई है। विश्व हिंदू परिषद ने इसे लेकर कलेक्टर को आवेदन भी दिया है। गौरक्षकों का कहना है कि गौवंश की तस्करी की शंका है। मौके पर इसके सबूत भी मिले हैं, लेकिन अब तक न तो ट्रक जब्त हुआ और न ही किसी पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में जांच कर जल्दी कार्रवाई हो। बजरंग दल गौरक्षा टीम ने रविवार देर रात निगम के दो ट्रकों में गौवंश पकड़े थे। इसके चलते देर रात तक बिलखिरिया थाने में हंगामा चलता रहा। गौरक्षकों ने पुलिस को दो दिन में एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी दी थी, लेकिन इस मामले को गुरुवार को चार दिन बीत गए। मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। दूसरी ओर, निगम की टीम जांच में जुटी है। गुरुवार को भी जांच की गई। कलेक्टर सिंह से गौरक्षकों ने कहा कि जहां ट्रक खड़ा था, वह आदमपुर छावनी में था और यह पशु शवदाह गृह का स्थान है। बिलखिरिया में वर्तमान में कोई भी गौशाला संचालित नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि गौवंश की अवैध

तस्करी और गो परिवहन के लिए इन्हें ले जाया जा रहा था। इसलिए दोषी निगम के कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। गौरक्षकों ने कहा कि जिन ट्रकों में पशुओं को ले जाया जा रहा था, उनमें चारे-पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। बछड़े लहुलुहान हालत में पाए गए थे। ट्रक को रात में ही पुलिस ने छोड़ दिया, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। इससे गो तस्करी की आशंका है।

अस्पतालों में बढ़ाई जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

सीएस से निर्देश मिलने के बाद अधिकारी अलर्ट, स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का होगा गठन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल एजेंसी। शहडोल मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल शहडोल में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की कवायद शुरू हो चुकी है। गुरुवार को प्रदेश की मुख्य सचिव वीरा राणा ने शहडोल के मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिया। इसके बाद कमिश्नर और आईजी ने संभाग के तीनों जिला अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है।

शहडोल कमिश्नर श्रीमन शुक्ल ने संभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज और संभाग के सभी अस्पतालों में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टॉफ, मरीज, मरीजों के परिजनों तथा सुरक्षा कर्मियों की सुरक्षा की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि मेडिकल कालेज और अस्पतालों में डॉक्टर्स, मरीज, मरीज के परिजन और पैरामेडिकल स्टाप सहज और सुरक्षित रहे इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

अस्पतालों का औचक निरीक्षण करें अधिकारी: कमिश्नर ने निर्देश दिए कि मेरे अलावा, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज डीन, एसडीएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करें।

सीसीटीवी में नहीं हो कोई खराबी: कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में सीसीटीवी और समुचित प्रकाश व्यवस्था होना चाहिए। अस्पतालों में महिलाओं के लिए शौचालयों की अलग व्यवस्था होनी चाहिए। सभी सीसीटीवी कैमरे चालू रहने चाहिए।

स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का गठन करें: कमिश्नर शुक्ल ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का गठन तीनों जिलों में तत्काल कराएं। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लगे सुरक्षा कर्मियों का पुलिस विभाग चरित्र सत्यापन कराएं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय महाविद्यालय मड़वास जिला सीधी में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान दुनिया भर में हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध भारत के महान व कालजयी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद किया गया।कार्यक्रम के शुरुआत में डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने मेजर ध्यानचंद का जीवन परिचय दिया और हॉकी के खेल के प्रति उनके जूनून की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ पंकज मिश्रा ने उपस्थित छात्रों से खेलों के महत्व को बताते हुए कहा कि खेल हमें स्वस्थ तंदुरुस्त खुश रखते हुए हमें ऊर्जावान बनाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ अनुराग तिवारी, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ सौरभी गुप्ता, डॉ राजेश पटेल, डॉ ज्योति रजक, दीपराज प्रजापति, डॉ संध्या वर्मा, डॉ अमिता खरे, डॉ कमलेश जायसवाल, प्रवीण साकेत सहित महाविद्यालय स्टाफएवं छात्र/छात्राये उपस्थित रहे।

शासकीय दफ्तर में ताश खेल रहे थे अधिकारी

जिले के देवसर जनपद पंचायत कार्यालय का मामला, अधिकारी बोले- करेंगे कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के देवसर जनपद पंचायत के कार्यालय में काम भले ही ना हो लेकिन ताश का गेम जरूर होता है। इसको लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर गुरुवार को वायरल हो रहा है, जिसमें देवसर जनपद पंचायत में‹ष्ठह्र के पद पर पदस्थ एक अधिकारी अपने तीन अन्य साथियों के साथ बैठकर ताश खेलते हुए नजर आ रहे हैं।

सिंगरौली जिले के देवसर जनपद पंचायत में एडीओ के पद पर पदस्थ रामजी मांझी अपने तीन साथियों के साथ बैठकर ताश के 52 पत्तों का आनंद ले रहे हैं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया कि यह वीडियो तीन दिन पुराना है। जहां जनपद पंचायत के शासकीय दफ्तर में यह ताश का गेम चल रहा था। यह वीडियो 26 अगस्त की दोपहर 4 बजे देवसर के अंबुज तिवारी नाम के युवा ने बनाया था।

मनोरंजन के लिए खेल रहे थे: वीडियो में दिख रहे ष्ठह्र रामजी माझी से जब इस मामले में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 26 तारीख को कृष्ण जन्माष्टमी के दिन वह ऑफिस आए थे, ऑफिस में बिजली नहीं थी। कुछ कागजात उन्हें निकालने थे, तो ताश खेलने लगे। लेकिन मनोरंजन के लिए दहला पकड़ खेल रहे थे, वह जुआ नहीं खेल रहे थे।

शासकीय आचरण विरुद्ध है: इस मामले पर जब जनपद सीईओ संजीव तिवारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वीडियो अब तक हमने नहीं देखा है। अगर कोई कर्मचारी ऐसा करता है, तो शासकीय आचरण के यह विरुद्ध है। हम वीडियो की जांच करके कार्रवाई करेंगे।

करचुल डैम की मेढ़ से मिट्टी कटी

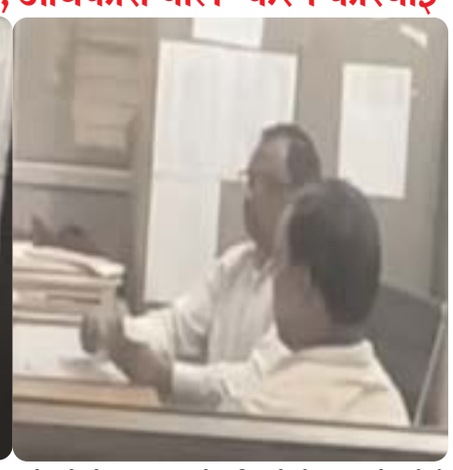

गांव में भरने लगा था पानी, 52 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, आधी रात को पहुंचे कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। जैतपुर के करचुल गांव में डैम के मेढ़ की मिट्टी का कटाव हो चुका है। जिस कारण पानी रिहायशी क्षेत्र में भरने लगा था। जिसके बाद आधी रात करचुल गांव के 52 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। ग्रामीणों ने मेढ़ में कटाव की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी तो सबसे पहले नुकसान का जायजा लेने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को भेजा गया। काफी मशक्कत के बाद भी कटाव नहीं रुका तो रात में एहतियातन ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्णय लिया गया है।

24 साल पहले बना था डैम: जानकारी के अनुसार यह डैम 24 साल पहले बना था। 0.6 मिलियन घनमीटर क्षमता वाले करचुल डैम का निर्माण वर्ष 2000 में डब्लूआरडी विभाग की ओर से किया गया था। इसकी क्षमता 0.6 मिलियन घनमीटर है और सिंचाई क्षमता 65 हेक्टेयर है। ग्रामीणों का आरोप है कि सिंचाई विभाग ने इसका रख रखाव सही तरीके से नहीं किया है।

गांव में दहशत का माहौल: इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। लगातार कुछ दिनों से हुई तेज बारिश से डैम का जलस्तर बढ़ता जा रहा था, जिसके बाद बुधवार रात मेढ़ की मिट्टी का कटाव हो गया। जिससे पानी गांव की ओर बहने लगा लेकिन समय रहते ही लोगों ने पुलिस व प्रशासन को मामले की जानकारी दे दी।

मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस टीम पहुंची है। अलग-अलग वाहनों से ग्रामीणों को तीन किलोमीटर दूर भठिया स्थित सामुदायिक भवन में रुकने की व्यवस्था की गई है।

बल तैनात, आवाजाही रोकी गई: जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड़ ने बताया कि समय पर जानकारी लग गई थी। पुलिस और राजस्व के अधिकारी मौके पर पहुंचे अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया, जिसके बाद सुरक्षित स्थान में लोगों को पहुंचा दिया गया है। मेढ़ की मिट्टी का कटाव होने से पानी गांव की ओर भर रहा है। पुलिस बल की तैनाती की गई है। आवाजाही में रोक लगा दी गई है।

सभी को सुरक्षित रखा गया है: कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह ने बताया कि डैम की मेढ़ की मिट्टी का कटाव हो गया है, जिससे गांव की ओर पानी तेजी के साथ भरने लगा तभी मामले की जानकारी सही समय पर स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस को दी थी। मौके पर टीम पहुंची और जायजा लिया गया जिससे यह समझ में आ गया कि कटाव को रोका नहीं जा सकता है। डैम में काफी पानी है कोई बड़ी दुर्घटना ना हो जिसको लेकर गांव के लोगों को सुरक्षित स्थान में पहुंचाया गया है।

रुपयों से भरा पर्स मालिक को लौटाया

सड़क पर लावारिस हालत में मिला पर्स, पुलिस की मदद से मालिक को खोजा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। रुपयों से भरा एक पर्स सड़क पर लावारिस हालत में युवक को पड़ा मिला। युवक ने जब उसे खोल कर देखा तो उसमें 500 रुपए की कई नोट थी, लेकिन युवक की नियत रुपए से भरे पर्स में को देख नहीं डोली और वह नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंचा और पुलिस को नोटों से भरे पर्स को सौंप दिया। पुलिसकर्मियों ने जब पूरा माजरा समझा तब वह खुद उस युवक को धन्यवाद देते हुए, पर्स में रखे कागजात की पड़ताल की और असल मलिक का पता लगाकर उसे कोतवाली बुलाकर रुपयों से भरे पर्स को युवक के हाथ से पर्स के सही मालिक को सौंप दिया है।

कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के कांग्रेस भवन के सामने राहुल मोरजानी को सड़क पर लावारिस हालत में पर्स पड़ा दिखाई दिया। पर्स में 10500 रुपए नकद थे और कुछ जरूरी कागजात भी पर्स में मौजूद थे। राहुल को जिस स्थान में पर्स मिला। वहीं समीप राहुल की चाय नाश्ते की दुकान है। युवक ने अपनी दुकान छोड़कर पर्स के मालिक की जानकारी आसपास पता लगाई। लेकिन असल मालिक का पता नहीं लग पाया। इसके बाद युवक गुरुवार को कोतवाली पुलिस के पास पहुंचा।

कोतवाली पुलिस ने पर्स में रखे कागजातों की पड़ताल की तब पता लगा कि यह पर्स का मालिक संतोष यादव निवासी ग्राम हरदी थाना सोहागपुर है। संतोष ने पुलिस से बताया कि वह घर से पैसे लेकर बैंक जा रहा था तभी रास्ते में पैसों से भरा पर्स कहीं गिर गया। जिसकी वह खुद तलाश कर रहा था। कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी ने बताया कि चाय नाश्ते की दुकान लगाने वाले युवक को सड़क पर लावारिस हालत में नोटों से भरा एक पर्स मिला था, जिससे वह कोतवाली लेकर पहुंचा।

केंद्रीय मंत्री की फटकार के बाद एक्शन में खनिज विभाग

125 से अधिक ट्रैक्टरों से हो रहा अवैध परिवहन, दो ट्रैक्टर को किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। खनिज विभाग की टीम ने आज सुबह करीब 9 बजे सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सटई रोड पर छापेमारी करते हुए एक रेत से भरे ट्रैक्टर को जब्त किया है। इसके पहले मंगलवार को जनसुनवाई में लोगों की शिकायत सुनने के लिए आए।

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक ने रेत की शिकायत मिलने पर खनिज अधिकारी को फटकार लगाई थी। इसके बाद से खनिज विभाग हरकत में आ गया और गुरुवार की सुबह एक ट्रैक्टर को जब्त करते हुए। सिविल लाइन थाने में रखवा दिया है। वही जब्त किए गए ट्रैक्टर पर कार्रवाई जारी है।

दरअसल, गुरुवार (29 अगस्त) को सुबह 9 बजे सटई रोड पर खनिज विभाग की टीम अवैध परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची। सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत तिवारी की टीम ने एक बिना नंबर रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को जब्त करते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस को सौंप दिया है।

नाम न छापने की शर्त पर व्यक्ति ने बताया कि सुबह जब खनिज विभाग की टीम अवैध रेट परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को पकड़ने पहुंची तो रेट माफियाओं ने ट्रैक्टरों को इधर-उधर छुपा दिया। जिससे केवल खनिज विभाग की टीम के हाथ एक ट्रैक्टर ही हाथ लगा। जबकि सटई रोड पर रोजाना 30 से अधिक ट्रैक्टर रेत परिवहन करते है। शहर में रोजाना 15 बड़े ट्रक और 6 छोटे ट्रक से रेत की सप्लाई लवकुश नगर से छतरपुर शहर के लिए प्रति दिन की जाती है।

शहर में यहा किया जाता है रेत का भंडारण 1-सौरा रोड पर मित्तल कालेज के पास 2- नौगांव रोड पर क्रिश्चियन स्कूल के पास 3-सागर रोड पर डॉक्टर गयात्री नामदेव की क्लीनिक के पास 4-डेरी रोड पर बड़े फाटक के पास 5-सटई रोड सोमवार बाजार के पास 6-होमगार्ड पेट्रोल पंप के पास 7-सटई रोड गल्ला मंडी के पीछे 8-मॉडल स्कूल के पास 9-महोबा रोड बज के पास 10-वरकौहा गांव।

इन मार्गों से किया जाता है रेत का परिवहन-

1-नौगांव रोड से 40 ट्रैक्टर 2-सटई रोड से 30 ट्रैक्टर 3-पन्ना रोड से 20 ट्रैक्टर 4-राजनगर रोड से 25 ट्रैक्टर 5-महोबा रोड से 10 ट्रैक्टर।

सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत तिवारी ने बताया कि सटई रोड पर परिवहन कर रहे एक महिंद्रा ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। जिसे सिविल लाइन थाना पुलिस को सौंप दिया है। वही रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर पर कार्यवाही जारी है।

खनिज अधिकारी अमित वर्मा ने बताया कि इस मामले में आपके माध्यम से जानकारी लगी है। जल्द ही जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। आज सुबह ही हमारी टीम ने अलग-अलग दो जगह से दो ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की है।

जिला स्तरीय व्याख्यान माला कार्यक्रम आयोजित

ईश्वरीय शक्ति को प्राप्त करना ही योग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सीधी द्वारा आयोजित महर्षि श्री अरविंद जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय व्याख्यान माला कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अमलेश्वर चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य, संजीव की अध्यक्षता एवं अजय मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने महर्षि श्री अरविंद के अध्यात्म से जुड़े विचारों को विस्तार पूर्वक बताया। महर्षि श्री अरविंद ने स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उन्होंने भारत के नैतिक शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया और योग का सर्वाधिक प्रचार-प्रसार किया। विशिष्ट अतिथि अजय मिश्रा ने कहा कि महर्षि श्री अरविंद जी एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। बाल्यकाल से ही उन्हें अपनी माटी से अपार प्रेम था।

उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विभिन्न महापुरुषों की जन्म जयंती जैसे कार्यर म का आयोजन कर सशक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। संचालन आशुतोष ने तथा अतिथि सत्कार जिला समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया ने किया। विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक द्वारा अतिथियों सहित विभिन्न विकासखंडों से आए परामर्शदाता, सीएमसीएलडीपी के छात्र, नवांकुर समिति के पदाधिकारियों सभी का हार्दिक आभार प्रकट किया।

नपा ने नगर में निकाली रैली, कचरा फैलाने वालो को किया दण्डित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नगर पालिका परिषद ने नगर में स्वच्छता रैली निकाल कर स्वच्छता का संदेश दिया। जन जागरूकता रैली नगर पालिका कार्यालय से प्रांरभ होकर अस्पाल चौक, गांधी चौक, शेरे पंजाब होटल होते हुए सम्राट चौक पर समाप्त हुई। रैली में मुख्य रूप से नपा अध्यक्ष काजल वर्मा, उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह, सीएमओ मिनी अग्रवाल एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन समिति के सभापति रजनीश श्रीवास्तव मौजूद रहें। जन जागरूकता रैली में नगर पालिका की अध्यक्ष एवं सीएमओ द्वारा नगर के दुकानदारों को संदेश दिया गया की वे अपने दुकान एवं संस्थानो के इर्द गिर्द स्वच्छता बनाये रखें, गंदगी न फैलायें तथा कचरे को कचरा गाड़ी में ही डालें। इसी क्रम में नपा द्वारा शेरे पंजाब होटल, गुप्ता किराना स्टोर एवम अन्य दुकानदारों को कचरा प्रबंधन में सहयोग करने हेतु प्रमाण पत्र दे कर पुरुष्कृत किया गया। साथ ही संदेश भी दिया गया कि दुकानदार अपने दुकानो से निकलने वाले कचरे को कचरा गाड़ी में ही डालें, कचरा अन्यत्र न फेके। शहर की सफाई व्यवस्था बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद अध्यक्ष काजल वर्मा, उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह, सीएमओ मिनी अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी गौरव सिंह, रजनीश श्रीवास्वत, व्यापारी संघ के अध्यक्ष अमित गुप्ता, अतिर मण टीम, आईसी टीम, एमआईएस एवं सफाई मित्र टास्क फोर्स सहित अन्यजन मौजूद रहें। नपा परिषद द्वारा नगर के अस्पताल चौक, सम्राट चौक में संचालित दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की गयी। जिसमें अन्नपूर्णा बीज भंडार, गुप्ता किराना स्टोर, समीर सिंह टॉप एंड टाउन सहित अन्य के विरूद्ध चलानी कार्यवाही की गई। साथ ही बताया कि कचरा प्रबंधन के नियमो के विरूद्ध कार्य करने वालों के विरूद्ध आगे भी चलानी कार्यवाही जारी रहेगी।

छुहिया घाटी में जल्द होगा सुरंग का निर्माण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत अमिलई में पहुंचे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला का पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीण जनों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण जनों से चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने कहा कि छुहिया घाटी में सुरंग का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। सुरंग बनने से यहां के लोगों का रीवा सफर काफी कम समय में हो जायेगा और रीवा से शहडोल आने-जाने वालों का भी काफी समय बचेगा। उन्होंने बताया कि रीवा-शहडोल मार्ग को भी बेहतर बनाने की योजना बनाई जा रही है। यातायात की बेहतर सुविधा होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्राचीन काल में जाति का नहीं बल्कि कार्य का हुआ था विभाजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। स्वदेशी जागरण मंच अभियान के द्वारा सरस्वती विद्यालय मड़रिया में स्वावलंबी भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अनूप मिश्रा वरिष्ट समाजसेवी, अध्यक्ष रामनरेश शुक्ला स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक, प्रमोद कुमार मिश्रा एडवोकेट सहसंयोजक एवं विद्यालय प्राचार्य राजकुमार सिंह रहे। आयोजित कार्यक्रम में राम नरेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा लक्ष्य नौकरी पाना नहीं, बल्कि देश निर्माण होना चाहिए। हमें नौकरी ढूंढने वाला नहीं, देने वाला बनना चाहिए। इसके अलावा हमें हमेशा स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। हम नौकर नहीं मालिक बनें। विद्यालय प्राचार्य ने कहा कि सीधी में बहुत से ऐसे उदाहरण हैं जो नौकरी से त्यागपत्र देकर अपना व्यवसाय स्थापित किए हैं और अन्य लोगों को नौकरी दे रहे हैं। डॉ अनूप मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल में जाति का नहीं, बल्कि कार्य का बंटवारा था। जितने बाहर से आक्रांता आए, तो उन्होंने हमें बांटने का कार्य किया। स्वालंबन सरकार के नहीं अपितु हमारा खुद का निर्णय होना चाहिए। इस दौरान में विद्यालय के सभी आचार्य एवं भैया-बहनों की उपस्थिति सराहनीय रही।

संपादकीय

दो अरब लोगों को पौष्टिक आहार की दरकार

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पोष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक और भोजन की बर्बादी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं।

सर्वजन का नहीं मिला साथ, क्या बहुजन से फिर बनेगी बात?

संजय स सेना /

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गो खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे। यह बात दलितों को अखरती भी थी, लेकिन दलित वोटरों ने माया से कभी बेवफाई की नहीं सोची। परंतु पिछले कुछ वर्षो से यह सिलसिला टूट गया है।

दलित वोटर अपने फायदे के लिये कभी भाजपा को कभी समाजवादी पार्टी का दामन थामने लगे। इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है। मायावती की यह चिंता अब उनके शब्दों के साथ बाहर आ रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो भी संदेश दिया है, उसमें 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की ही बात कही गई है, जबकि इससे पहले उनकी पार्टी की रणनीति और बसपा शासन का भी सूत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही था। इससे माना जा रहा है कि वह अब अपने कोर वोटबैंक रहे बहुजन समाज को फिर से आकर्षित करने के प्रयास में हैं।

उधर, बसपा प्रमुख मायावती को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की बात तो की, लेकिन एक बार भी सर्वजन यानी सभी समाज-वर्गों का उल्लेख नहीं आया। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से भी यही अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों बसपा मूवमेंट व बहुजन अस्मिता के हित में पूरे जी-जान से लगे रहें। सिर्फ यही बैठक नहीं, बल्कि 11 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की घोषणा की, तब भी संदेश दिया कि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर जनता का भरोसा फिर से जीतने का प्रयास लगातार जारी रखना है। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश में जब बसपा की सरकार थी, तो सरकार सूत्र वाक्य था- सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इतना ही नहीं, मायावती अपनी बैठकों में भी इस सूत्र वाक्य को दोहराना नहीं भूलती थीं।

उदाहरण के तौर पर लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले 23 मई 2024 को गौतमबुद्ध की जयंती पर मायावती द्वारा जारी संदेश में खुद कहा था कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आदर्श के आधार पर चलाई और समतामूलक समाज स्थापित करने का पूरा प्रयास किया। इसी तरह 2024 में ही एक जनवरी, 15 जनवरी और 20 जनवरी को दिए गए संदेश में भी मायावती ने सर्वजन हिताय की बात कही। इन बयानों पर गौर करें तो पता चलता है कि सर्वजन का सूत्र लोकसभा चुनाव परिणाम आने के पहले तक रहा और उसके बाद से सिर्फ बहुजन की रट है। आखिर क्यों? इसका संकेत लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मायावती द्वारा बुलाई गई पहली राष्ट्रीय स्तरीय बैठक के संबोधन में मिलता है। उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में विशेषकर संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह किया, उससे बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। मायावती को इस लोकसभा चुनाव से संकेत मिल गया है कि जिस तरह 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने बसपा के दलित वोटबैंक में सेंध लगाई, अब उसमें सपा और कांग्रेस भी बड़ी सेंध लगाती दिख रही हैं।

नेताओं को बेतुकी बयानबाजी का हक नहीं

विश्वनाथ सचदेव

टीवी पर एक कार्यक्रम आया करता है 'आपकी अदालत'। इस अदालत के 'वकील' से किसी ने पूछा था, 'अभिनेता अच्छे नेता होते हैं या नेता अच्छे अभिनेता', तो 'वकील साहब' को यह कहने में तनिक भी देरी नहीं लगी कि नेता अच्छे अभिनेता होते हैं! और इस उत्तर पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजायी थीं- अर्थात श्रोता भी यह जानते-मानते थे कि हमारे नेता अच्छे अभिनेता हैं! नेता-अभिनेता वाला यह प्रसंग आज अचानक तब याद आ गया जब एक नयी-नयी नेता बनी अभिनेत्री को किसान-आंदोलन के संदर्भ में यह कहते सुना कि हमारे देश में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था। उसी सांस में उस नेता-अभिनेता ने यह भी कह दिया कि साल भर से अधिक समय तक चलने वाले उस आंदोलन में 'लाशें लटकी हुई थीं और बलात्कार हो रहे थे।' यह सही है कि उस आंदोलन के दौरान अनेक किसानों की मृत्यु हुई थी, पर उसे 'लाशें लटकना' कहना क्या माने रखता है, यह बात शायद उस अभिनेता को समझ नहीं आयी थी, और फिर किसान आंदोलन के दौरान दुराचार की बात करने से कितना राजनीतिक नुकसान हो सकता है, यह भी उस अभिनेत्री की समझ से परे की बात थी।

यह नेता-अभिनेता भाजपा की सांसद हैं, और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस नुकसान को समझ रहा था। उसने तत्काल इस नए नेता को चुप रहने का आदेश दिया। स्पष्ट कह दिया गया कि यह नयी बनी नेता अपने मन की बात कह रही थी, और पार्टी की ओर से नीति-विषयक बयान देने का उसे कोई अधिकार नहीं है। निकट भविष्य में ही हरियाणा में होने वाले चुनाव को देखते हुए भाजपा की यह सफाई ज़रूरी थी। इस स्पष्टीकरण से नुकसान की कितनी भरपाई हुई है यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर यह सारा प्रसंग इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व सुर्खियां बटोरने और राजनीतिक लाभ उठाने के लिए, कभी भी, कुछ भी कह सकता है! ऐसे अवसर पर बड़ी आसानी से राजनीतिक नेतृत्व यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेता है कि यह कथित नेता का निजी बयान है। सवाल उठता है, इस तरह की निजी राय रखने वाले व्यक्ति को राजनीतिक पार्टियां तरजीह ही क्यों देती हैं? किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य होने का सबसे महत्वपूर्ण मतलब यह होता है कि व्यक्ति पार्टी की रीति-नीति में विश्वास रखता है। उसका आचरण इसी विश्वास के अनुरूप होना चाहिए। लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारे देश में नीतियों के आधार पर राजनीतिक दलों का बनना और चलना अब कतई आवश्यक नहीं रहा! रीतियों-नीतियों को लेकर दावे ज़रूर किए जाते हैं, पर व्यवहार में ऐसा कुछ दिखाई नहीं देता। यदि ऐसा न होता तो नेताओं का आये दिन दल बदलना हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं बनता। न किसी व्यक्ति को दल बदलते हुए कोई शर्म आती और न ही किसी दल को किसी ऐसे व्यक्ति को अपने साथ जोड़ने में कोई संकोच होता है जिसे वह कल तक भ्रष्ट, अपराधी और न जाने क्या-क्या कहकर दुत्कारा करता था। मतदाता किसी उम्मीदवार को वोट देते समय जिन दो बातों का मुख्य रूप से ख्याल रखता है, उनमें पहली व्यक्ति की वैयक्तिक ईमानदारी है और दूसरी उसके दल की रीति-नीति। दुर्भाग्य से, अब हमारी राजनीति में इन दोनों बातों का कोई महत्व नहीं रह गया है— महत्व सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ साधने का है।

सामान्य व्यवहार में भी सामान्य जन इस बात का ध्यान रखता है कि 'चार लोग क्या कहेंगे?' पर हमारे राजनेताओं को कुछ भी कहने-करने में संकोच नहीं होता। किसी ने भाजपा की उस नेत्री से यह नहीं पूछा कि उसने हत्याओं और बलात्कारों वाली बात किस आधार पर कही थी?

आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

अशोक मधुप

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग-अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल-बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगह-जगह जारी है। सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हांलाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नहीं होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हांलाकि प्रदेश कैबिनेट में पास किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर फिर विचार होगा। हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आते-आते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और

पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा। देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माधयम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं। प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड़ लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी। देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है। कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है। महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया। कर्नाटक में कई बार प्राइवेट जॉब में कन्नड़ों के लिए आरक्षण तय करने की कोशिश हो चुकी है। सिद्धारमैया सरकार में ये तीसरी बार है जब ऐसी कोशिश हो रही है। इससे पहले 2014 और 2017 में भी सरकार कोशिश कर चुकी है। वहीं अक्टूबर 2020 में येदियुरप्पा की अगुवाई में बीजेपी सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में ग्रुप सी और डी में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीयों को देने का ऐलान किया था। हालांकि, ये लागू नहीं हो सका था। हरियाणा में 2020 में तब की मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून पास किया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस कानून को रद्द कर दिया। झारखंड में दिसंबर 2023 में हेमंत सोरेन की सरकार ने सरकारी नौकरियों की ग्रुप तीन और चार में स्थानीयों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने के मकसद से बिल पास किया था। ये बिल विधानसभा में पास हो गया था, लेकिन गवर्नर ने इसे लौटा दिया था। आज के हालात का निष्कर्ष ये है कि प्रत्येक दल आरक्षण की सीढ़ी से सत्ता में पंहुचने के प्रयास में लगा है। उसे उससे वास्ता नही कि आरक्षण की जद में आने वाली प्रतिभाएं इसे लेकर क्या सोचती हैं? 2012 में केंद्र सरकार प्रमोशन में आरक्षण का बिल ला चुकी है। संसद में बिल रखे जाने के दौरान एक सांसद द्वारा मंत्री से छीन कर बिल की प्रति फाड़ दिए जाने के कारण ये अटक गया। नही तो प्रमोशन में भी आरक्षण लागे हो चुका होता। अब क्रीमीलेयर तै करने के बारे में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के आंदेश को वे ही ठेंगा दिखाने को तैयार हैं जो अब तक इससे लाभ लेते रहे हैं। आरक्षण का लाभ उठा चुके उच्च स्थिति में पंहुचने वाले ही विकास की धारा से वंचित अपनी जाति वालों के लिए आरक्षण का लाभ छोड़ने को तैयार नही हैं। आज हालत यह है कि सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ आदेश करे या कोई अन्य मांग हो, आरक्षण को कम करने को कोई राजनैतिक दल छोड़ने को तैयार नही। कोई इसके खत्म करने की बात नही कर रहा। सब बढ़ाने की बात कर रहे हैं। आरक्षण के दायरे से बाहर की जाति और उसे युवा ये सब देख रहे हैं। अभी हाल में यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर हुए बवाल ने बाद सरकार ने 45 पदों पर लेटरल एंट्री का प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। विपक्ष का कहना था कि सरकार आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रही है। विपक्ष आरोप लगा रहा है, सरकार अपनी छवि बचाने को बार-बार पीछे हटती जा रही है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता देगी बच्चे को जन्म

हाईकोर्ट ने कहा- गोद ले सरकार, भ्रूण हत्या स्वीकार नहीं, अबॉर्शन की याचिका खारिज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की गर्भपात कराने की याचिका खारिज कर दिया है। कोर्ट ने राज्य सररकार को उस बच्चे को गोद लेने का आदेश देकर कहा है, कि भ्रूण हत्या नैतिक और कानूनी रूप से स्वीकार नहीं है।

नाबालिग 32 सप्ताह की गर्भवती है। डॉक्टरों ने अबॉर्शन कराने पर उसकी जान को खतरा बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि, बच्ची और उसके माता-पिता चाहे तो कानूनी प्रावधान के अनुसार बच्चे को गोद लेने की अनुमति दे सकते हैं।

जस्टिस पार्थ प्रीतम साहू की सिंगल बेंच ने प्रसूता के अस्पताल में भर्ती होने से लेकर सभी खर्च राज्य सरकार को वहन करने का आदेश दिया है।

राजनांदगांव निवासी नाबालिग से दुष्कर्म हुआ था। जब वो गर्भवती हुई तो परिजनों को इसकी जानकारी लगी। तब अबॉर्शन कराने के लिए भटकते रहे। लेकिन गर्भपात कानूनी रूप से अपराध होने के कारण उसका अबॉर्शन नहीं हो सका। इसलिए उसके परिजनों ने गर्भपात की अनुमति देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से मांगी थी रिपोर्ट: इस मामले की सुनवाई जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू की सिंगल बेंच में हुई। शुरुआती सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित कर पीड़ित लड़की की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा था। जिसके बाद 9 सदस्यीय टीम ने जांच की, तब पता चला कि नाबालिग 32 सप्ताह से गर्भ से है।

जबकि, विशेष परिस्थिति में अधिकतम 24 सप्ताह तक गर्भपात कराया जा सकता है। ऐसे में गर्भ समाप्त करना उसके स्वास्थ्य के लिए घातक है। पीड़िता का सुरक्षित प्रसव कराया जाना उचित है।

हाईकोर्ट ने इसलिए खारिज की याचिका: डॉक्टरों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में कोर्ट को बताया कि, भ्रूण स्वस्थ्य होने के साथ उसमें किसी प्रकार के जन्मजात विसंगति नहीं है। पीड़िता का सहज प्रसव की तुलना में गर्भ समाप्त करना अधिक जोखिम होगा। डॉक्टरों के गर्भावस्था को समाप्त करने से इनकार करने के कारण हाईकोर्ट ने परिजनों की याचिका खारिज कर दी है।

हाईकोर्ट बोला- राज्य सरकार उठाए प्रसव का खर्च: हाईकोर्ट ने कहा कि, जांच रिपोर्ट में सहज प्रसव की तुलना में अधिक गर्भपात कराने से ज्यादा जोखिम हो सकता है। लिहाजा, गर्भावस्था जारी रखें। कोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता को बच्चे को जन्म देना होगा।

अगर नाबालिग और उसके माता-पिता की इच्छा हो तो प्रसव के बाद बच्चे को गोद लिया जाए। राज्य सरकार कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इसके लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

बड़े भाई को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

इलाज के दौरान तोड़ा दम, दुर्ग पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले में एक युवक ने अपने बड़े भाई को जिंदा जला दिया। उसने उस पर पेट्रोल छिड़का और माचिस मार दिया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना उतई थाना क्षेत्र की है।

ग्राम मर्रा निवासी योगेश यादव (27) ने मंगलवार 27 अगस्त की रात अपने बड़े भाई हेमंत यादव (35) पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। हेमंत जब अपनी जान बचाने के लिए चींखने लगा तो घर के लोग वहां पहुंचे। उन लोगों ने उसकी आग को बुझाया और जिला अस्पताल दुर्ग पहुंचाया।

इलाज के दौरान तोड़ा दम: हेमंत की हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में डीकेएस हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान उसने गुरुवार को दम तोड़ दिया। हेमंत की मौत होने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी योगेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

पारिवारिक विवाद के चलते दिया वारदात को अंजाम: उतई थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि, घटना के पीछे का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। योगेश ने पहले भी भाई पर हमला करने की कोशिश थी। मंगलवार को सोते हुए उसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

ओंगना गांव में फैला डायरिया

35 मरीज मिले, स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया कैंप, पानी में मिला बैक्टीरिया

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ निप्र। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के ओंगना गांव के राठिया बस्ती में डायरिया का प्रकोप फैला हुआ है। यहां करीब सप्ताह भर से ग्रामीणों को उल्टी दस्त की शिकायत आ रही है। ग्रामीण इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने लगे। जब इन मरीजों की संख्या बढ़ने लगी, तो मामले की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि अब तक करीब 30-35 मरीज मिले हैं। जिसमें से 4-5 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं और बाकी का इलाज धरमजयगढ़ सिविल अस्पताल में चल रहा है। वहीं दो लोगों को रायगढ़ रेफर किया गया है।

हर दिन 6-7 मरीज आ रहे: स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पंचायत भवन ओंगना में शिविर लगाया। यहां शिविर को पांच दिन हो चुके हैं। शिविर में एक डॉक्टर, दो आरएचओ और एक एनएम है। मरीजों की जांच की जा रही है। हर दिन 6-7 उल्टी दस्त के मरीज आ रहे हैं। जो गंभीर स्थिति में है, उन्हें अस्पताल भेजा जा रहा है।

गांव में पानी हुआ संक्रमित: बताया जा रहा है कि डायरिया फैलने के बाद गांव में पीएचई की टीम भी पहुंची। इसके बाद यहां के पानी की जांच के लिए सैंपल लिया गया। जांच में कई घरों के ट्यूबवेल के पानी का परीक्षण किया, तो पानी में बैक्टीरिया पाया गया।

बंद कराए गए ट्यूबवेल: बीएमओ डॉ बीएल भगत ने बताया कि ओंगना गांव में ट्यूबवेल के पानी में कीटाणु मिलने के बाद करीब 10-11 ट्यूबवेल को बंद कराया गया है। गांव में दवा का छिड़काव भी किया गया है। जिन ट्यूबवेल का पानी ठीक है, उसमें से ग्रामीण पानी की पूर्ति कर रहे हैं।

पटवारी की नौकरी दिलाने 5 लाख की ठगी

मंत्रालय में पहुंच बताकर ऐंठे पैसे, सूची में नहीं आया नाम, आरोपी रायपुर से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पटवारी के पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर 5 लाख रुपए की ठगी की गई है। पुलिस ने आरोपी जुगल किशोर साहू को रायपुर के शेजबहार से गिरफ्तार किया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र के बेलदार पारा का है।

जानकारी के अनुसार, बेलदार पारा निवासी इसाक मसीह ने 28 अगस्त 2024 को चांपा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बेटे शशांक मसीह से आरोपी जुगल किशोर साहू की मुलाकात चांपा रेलवे स्टेशन पर सफर के दौरान ट्रेन में हुई थी।

मंत्रालय में पहुंच का दिया हवाला: आरोपी जुगल किशोर साहू ने अपनी पहचान मंत्रालय में होने और नौकरी लगवाने की बात कही। जिसके लिए 5 लाख रुपए की डिमांड की। पहले ढाई लाख रुपए देने और काम होने के बाद बचा हुआ रकम देने की बात हुई थी। इस बीच पटवारी का फार्म भरकर ढाई लाख रुपए नगदी रकम दिया था।

सूची में नाम नहीं आने पर वापस मांगे पैसे: जब मई माह 2024 को सूची जारी हुई तो नाम नहीं आया था। फोन लगाकर बात करने पर दूसरी सूची में नाम आने की बात कहते हुए बाकी के रकम को देने की बात कही। तब आरटीजीएस के माध्यम से ढाई लाख रुपए ट्रांसफर किया था। दूसरी सूची में भी नाम नहीं आने पर पैसे वापस करने कहा, तो गोल मोल जवाब देते हुए घूमाने लगा था।

आरोपी गिरफ्तार: पीड़ित ने चांपा थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद आरोपी जुगल किशोर साहू के रायपुर जिले के शेजबाहार में छुपे होने की सूचना मिली। पुलिस ने ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जुर्म स्वीकार करने पर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी हेडमास्टर सस्पेंड

गलत नीयत से छूने और गाली-गलौज की मिली थी शिकायत, शिक्षा विभाग ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद में स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले प्रधान पाठक को शिक्षा विभाग ने निलंबित कर दिया है। मामला गुरूर विकासखंड के एक सरकारी स्कूल का है। प्रधान पाठक कांशीराम साहू की अलग-अलग मामलों में शिकायत की गई थी। जिसको लेकर जांच के आदेश दिए गए थे। जांच में शिकायत सही पाई। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने यह कार्रवाई की है।

प्रधान पाठक के खिलाफ छात्राओं से छेड़छाड़, अशोभनीय व्यवहार, गलत ढंग से छूने, अपशब्द कहने, अध्यापन कार्य में रुची नहीं लेने और नियमित रूप से शाला में उपस्थित नहीं होने की शिकायत की गई थी। जांच अधिकारी के प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में शिकायत सही पाई गई है।

बीईओ ने बंद किया फोन: पूरे मामले में जांचकर्ता बीईओ गुरुर ललित चंद्राकर से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद उन्होंने मोबाइल बंद कर दिया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी का फोन भी नेटवर्क से बाहर बताया।

माह भर जिले में किया जायेगा "राष्ट्रीय पोषण माह" का आयोजन

पोषण माह 2024 का मुख्य उद्देश्य पोषण पंचायतों को सक्रिय करना है

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित व्यापक प्रचार एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु जन आंदोलन के रूप में प्रतिवर्ष "राष्ट्रीय पोषण माह" का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास के संलग्न संदर्भित निर्देश अनुसार इस वर्ष 01 सितम्बर 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक पोषण माह का आयोजन किया जाना है। पोषण माह के प्रभावी सुचारू एवं परिणाम मूलक आयोजन एवं गतिविधियों के आयोजन में सम्मानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि, सहयोगी विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डली, नेहरू युवा केन्द्रों, नेशनल कैडिट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किया जाना है। पूर्व वर्षों में राज्य में आयोजित पोषण माह, पोषण पखवाड़ा में विभिन्न सहयोगी विभागों एवं डेव्हलेपमेंट संस्थाओं का सक्रिय एवं परिणाममूलक सहयोग प्राप्त होता रहा है। उपरोक्तानुसार इस वर्ष भी विभिन्न सहयोगी विभागों के मैदानी अमले के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए जिला, विकासखण्ड, ग्राम स्तर एवं प्रत्येक केन्द्र स्तर पर पोषण माह का आयोजन किया जाना है। पोषण माह 2024 का मुख्य उद्देश्य पोषण पंचायतों को सक्रिय करना है, इस हेतु ग्राम स्तर पर सरपंच एवं ग्राम पंचायतों को गतिविधियों का आधार बनाते हुए जनआंदोलन को जनभागीदारी के रूप में परिवर्तित करना है। राज्य द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के दौरान मुख्य रूप से निम्नानुसार थीम पर गतिविधियाँ आयोजित की जानी हैः- एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी, समग्र पोषण।

पोषण माह 2024 अंतर्गत 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले गतिविधि कैलेण्डर एवं सहयोगी विभागों की कार्य दायित्व की कार्ययोजना तैयार की गयी है। पोषण माह 2024 अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, सहयोगी विभागों स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डलों, युवा समूहों, नेहरू युवा केन्द्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर आदि के साथ समन्वय कर जिला स्तर पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्ययोजना तैयार कर पोषण माह सितम्बर 2024 का प्रभावी आयोजन करने का कष्ट करें। पोषण माह के दौरान की जाने वाली समस्त गतिविधियों को जन आंदोलन के डैशबोर्ड पोर्टल पर अनिवार्यतः प्रतिदिन इन्द्राज किया जाये। सहयोगी विभाग को भी प्रोत्साहित किया जावे कि उनके स्तर से की जा रही गतिविधियों की प्रगति की डाटा एंट्री जन आंदोलन डैशबोर्ड पर नियमित हो। सितंबर माह में आयोजन होने वाले कार्यक्रम इस प्रकार है। 01 सितंबर को राज्य स्तर पर पोषण माह का आयोजन, 02 सितंबर को एनीमिया कैम्प आयोजन, 03 सितंबर को वीएचएसएनडी में पोषण एवं स्वास्थ्य विषय पर चर्चा, महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों को उनके मिलने वाली राशि का उपयोग उनके स्वास्थ्य एवं पोषण में किये गये जाने पर चर्चा, 04 सितंबर को एनीमिया कैम्प आयोजन, 05 सितंबर को एनीमिया पर वेबीनार का आयोजन, 06 सितंबर को वृद्धि अनुश्रवण पर नारा लेखन, 07 सितंबर को वृद्धि मापन पर वेबीनार, 08 सितंबर को वृद्धि मापन पर सेक्टर स्तरीय गतिविधि, 09 सितंबर को वृद्धि मापन एवं अनुश्रवण, 10 सितंबर से 16 सितंबर तक वृद्धि मापन एवं अनुश्रवण, 17 सितंबर को वृद्धि मापन एवं अनुश्रवण स्वास्थ्य बालक बालिका स्पर्धा, 18 सितंबर को व्यंजन प्रतियोगिता, स्व सहायता समूह के सहयोग से स्थानीय पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, 19 सितंबर को पूरक आहार जागरूकता गतिविधियां, 20 सितंबर को स्थानीय खाद्य पदार्थों के संबंध में प्रदर्शनी, जनजागरूकता का आयोजन, 21 सितंबर को स्तनपान का महत्व, 22 सितंबर को पर्यावरण सुरक्षा आधारित कार्यक्रम, 23 सितंबर को आंगनबाड़ी, स्कूल स्तर पर खेल-खेल में पोषण ज्ञान प्राप्त करने संबंधी गतिविधियां, 24 सितंबर को खेल आधारित शिक्षा पर परवरिश के चैम्पियन कार्यक्रम पर पालक सत्र का आयोजन, 25 सितंबर को पोषण ट्रैकर एप् का प्रभावी क्रियांवयन, 26 सितंबर को खेल भी पढ़ाई भी विषय पर राज्य स्तरीय वेबीनार, 27 सितंबर को जल संरक्षण विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम, 28 सितंबर को वेस्ट वॉटर उचित निपटान, 29 सितंबर को पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर राज्य स्तरीय वेबीनार तथा 30 सितंबर को जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाना है।

महुवा बचाओ अभियान

एवम वन महोत्सव, एमसीबी डीएफओ से खास बातचीत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के वन मंडल मनेंद्रगढ़ के डीएफओ मनीष कश्यप ने अनोखी पहल करते हुए महुआ के पौधे लगाने के लिए महुआ बचाओ अभियान के तहत एक कार्यक्रम करते हुए तीन हजार पौधे महुआ के लगाए।

अब व्यापक असर ग्रामीण क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। आज के कार्यक्रम महुआ बचाओ व वन उत्सव में क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह सहित जनप्रतिनिधि शामिल हुए और साथ ही ग्रामीणों को महुआ के पेड़ और फल से क्या क्या फायदे है इससे रोजगार कैसे किया जाता है समझया गया।

जिले में अब तक 30 हजार से अधिक महुआ के पौधे लगाए जा चुके हैं जो आने वाले समय में ग्रामीणों की निश्चित आय का एक बड़ा माध्यम बनेंगे।

जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र द्वारा कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र द्वारा एक वृहद कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचाचत के सभाकक्ष मनेन्द्रगढ़ में आयोजित किया गया। जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के महाप्रबंधक मितवा बड़ा के द्वारा सिंगल विण्डो 2.0 के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंगल विण्डों 2.0 की शुरुआत की गयी। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के द्वारा 16 विभागों की 90 सुविधाएं, लाइसेंस आदि की प्रक्रिया एक वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी एवं आने वाले समय में और सम्बंधित सुविधाओं को एक ही वेबसाइट से ही प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में सी.ए. अरिहंत कुमार बोथरा ने सिंगल विण्डो की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने बताया की शासन द्वारा दिए जाने वाली सब्सीडी जो की 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक एवं अधिकतम 70 लाख में 350 लाख तक है। साथ ही उद्योग लगाने हेतु लिए जाने वाले ऋण पर लगभग 65 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक व्याज अनुदान आदि सुविधा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दी जाती है। कार्यक्रम में उद्योग विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधा एवं लाभों पर विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यशाला में जिले के कार्यरत समस्त इकाई स्वामी, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं सदस्य, बैंक प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी गण उपस्थित हुये।

होटल में फफून्द वाली मिठाई से बिगड़ी तबीयत

मिठाई लेकर पहुंचे परिजन, होटल में मचाया हंगामा, खाद्य अफसरों से भी शिकायत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में फफूंद लगी मिठाई खाने से दो लोगों की तबियत बिगड़ गई। इससे नाराज परिजन मुंगेली नाका स्थित मनोज स्वीट्स पहुंच गए और जमकर हंगामा मचाने लगे। जिसके बाद उन्होंने फोन पर खाद्य विभाग के अफसरों से भी मामले की शिकायत की।

दरअसल, बारिश के मौसम में होटल संचालक बासी मिठाई को ग्राहकों को बेच रहे हैं। खाद्य विभाग के अफसर भी इस पर कोई ध्यान नहीं देते। ऐसे में बासी और फफून्द लगी मिठाई खाने से तबीयत बिगड़ने की आशंका बनी रहती है। इसी तरह से मुंगेली नाका स्थित मनोज स्वीट्स में बुधवार को मिठाई लेने पहुंचे ग्राहक को बासी फफूंद लगी मिठाई बेच दी गई। इसे खाकर ग्राहक के दो रिश्तेदारों को उल्टियां शुरू हो गई।

लोरमी निवासी मुकेश साहू ने मुंगेली नाका के मनोज स्वीट्स से 500 रुपए में आधा- आधा किलो दो तरह की मिठाई खरीदी थी। अस्पताल में नवजात बच्ची को देखने आए दो रिश्तेदारों को उसने मिठाई खिलाई। इसके 5 मिनट बाद वे उल्टियां करने लगे। वह मिठाई लेकर होटल पहुंचा तो पहले दुकानदार ने इंकार कर दिया, फिर अपने कर्मचारी पर पूरा ठीकरा फोड़ दिया। मुकेश ने पूरे घटनाक्रम और ट्रे में रखी फफूंद लगी मिठाई का वीडियो बनाकर अधिकारियों से शिकायत की है।

जिस ट्रे से मिठाई दी, उसमें भी फफूंद: मुकेश ने दुकान में रखे ट्रे को देखा तो उसमें रखी मिठाइयों में भी फफूंद लगे मिले। उन्होंने ट्रे की फोटो-वीडियो बनाकर फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी से इसकी शिकायत की। उन्होंने फोन पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही है।

अफसर बोले जांच के बाद होगी कार्रवाई: खाद्य विभाग के असिस्टेंट फूड आफिसर मोहित बेहरा ने कहा कि ग्राहक ने फोन पर इसकी सूचना दी है। संबंधित संस्थान से मिठाइयों के सैंपल लेकर जांच कराई जाएगी। अमानक पाए जाने पर उसके खिलाफ तय प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

खाली कार्टन एवं शीशी विक्रय हेतु संक्षिप्त निविदा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कार्यालय छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एमसीबी जिले से नियंत्रित 4 देशी, 5 देशी कम्पोजिट एवं 09 विदेशी मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2024-25 अर्थात 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि में संग्रहित खाली कार्टन (पुट्ठा) एवं खाली शीशियों का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टन का प्रति किलोग्राम की दर से एवं खाली शीशियों का प्रति नग की दर से इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफा में निविदाएं (तकनीकी बिड, प्राईज बिड पृथक-पृथक) 11 सितंबर 2024 को दोपहर 02: 00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला एमसीबी में आमंत्रित की जाती है। बंद लिफाफा में प्राप्त निविदाएं निविदाकारों की उपस्थित में 11 सितंबर 2024 को सायं 04:00 बजे समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की शर्तों, नियम, निविदा प्रपत्र तथा मदिरा दुकानों की अवस्थिति आदि की विस्तृत जानकारी अवकाश के दिवसों को छोड़कर निविदा प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड जिला एमसीबी से 500 रूपये के बैंक ड्राफ्ट (जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला एमसीबी के पक्ष में) जमा कर प्राप्त की जा सकेगी।

गुजरात में 939 सड़कें बंद, बाढ़ में फंसी क्रिकेटर राधा यादव का रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने गुरुवार (29 अगस्त) को गुजरात, उत्तराखंड समेत 19 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात में पिछले 4 दिन से मूसलाधार बारिश हो रही है। गुजरात में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 28 लोगों की मौत हुई है। 18 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सीएम भूपेंद्र पटेल को फोन करके हालात का जायजा लिया। भारतीय महिला टीम की स्पिनर राधा यादव और उनका परिवार वडोदरा में बाढ़ में फंस गया था। उन्हें बुधवार को नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने रेस्क्यू किया। राज्य में 7 नेशनल हाइवे, 66 स्टेट हाइवे, 92 अन्य सड़कें और 774 पंचायत सड़कें मिलाकर कुल 939 सड़कें बंद हैं। 238 तहसीलें भारी बारिश के चलते आई बाढ़ की चपेट में हैं। दिल्ली में भी बुधवार रात से भारी बारिश हो रही है। इससे दिल्ली, द्रष्टक्रऔर नोएडा के कई इलाकों में पानी भर गया है। सबसे बुरी हालत अंडर पास की है। पानी भरने से सड़कों पर जाम लगा है।

सुको बोला- नेताओं से पूछकर फैसला नहीं सुनाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक बयान पर उन्हें जमकर फटकार लगाई। दरअसल, दिल्ली शराब नीति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता को जमानत दे दी। रेवंत ने इसे बीआरएस और भाजपा की डील बताया था। इस पर जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने रेवंत रेड्डी के वकील मुकुल रोहतगी से पूछा-क्या आपने अखबार में पढ़ा कि उन्होंने (रेवंत) क्या कहा? उसे पढ़िए। कोर्ट ने कहा- सियासी लड़ाई में कोर्ट को घसीटना ठीक नहीं है। कोर्ट नेताओं से पूछकर फैसले नहीं सुनाती। ऐसे बयान लोगों के मन में आशंका पैदा करते हैं। सुप्रीम कोर्ट 2015 के कैश-फॉर-वोट घोटाले से जुड़े केस को भोपाल ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी भी एक आरोपी हैं। याचिका बीआरएस विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी लगाई है।? तेलंगाना सीएम ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा था कि तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी और एमएलसी के कविता को 5 महीने में जमानत मिलने पर संदेह है। मनीष सिसोदिया को 15 महीने बाद जमानत मिली। जबकि सीएम केजरीवाल को अभी तक जमानत नहीं मिली है।

कंगना रनौट भाजपा अध्यक्ष नड्डा से मिलीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौट गुरुवार (29 अगस्त) को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करने पहुंचीं। दिल्ली में नड्डा के आवास पर करीब आधे घंटे रहने के बाद कंगना वहां से निकल गईं। किसान आंदोलन पर बयान के बाद भाजपा के किसी बड़े नेता से कंगना की यह पहली मुलाकात थी। कंगना ने दए एक इंटरव्यू में कहा था कि किसान आंदोलन के दौरान प्रोटेस्ट के नाम पर रेप और मर्डर हुए। अगर सरकार मजबूत ना होती तो पंजाब बांग्लादेश हो जाता। इस बयान का विरोध होने पर भाजपा ने कहा कि यह कंगना की अपनी राय है, पार्टी की नहीं। भाजपा ने 26 अगस्त को एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा- पार्टी कंगना के बयान से असहमत है। कंगना को पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं है। पार्टी ने उन्हें आगे ऐसे बयान ना देने की हिदायत भी दी थी। कंगना ने कहा कि अगर हमारा शीर्ष नेतृत्व मजबूत नहीं रहता तो किसान आंदोलन के दौरान पंजाब को भी बांग्लादेश बना दिया जाता। पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे। वहां रेप और हत्याएं हो रही थीं। किसान बिल को वापस ले लिया गया वरना इन उपद्रवियों की बहुत लंबी प्लानिंग थी। वे देश में कुछ भी कर सकते थे। कंगना के बयान पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार (26 अगस्त) को कहा- भाजपा सांसद का किसानों को बलात्कारी और विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना उनकी किसान विरोधी नीति और नीयत का सबूत है।

इजराइल के म्यूजियम में 3500 साल पुराना बर्तन टूटा, 4 साल के बच्चे ने गलती से गिराया

इजराइल (एजेंसी)। इजराइल के म्यूजियम में शुक्रवार (23 अगस्त) को चार साल के एक बच्चे की गलती से 3500 साल पुराना बर्तन टूट गया। घटना इजराइल के हाइफा यूनिवर्सिटी में स्थित हेक्ट म्यूजियम की है। जानकारी के मुताबिक, एलेक्स अपने चार साल के बेटे के साथ म्यूजियम घूमने आए थे। यहां उनके बेटे ने एक एंटीक बर्तन को गलती से गिरा दिया। इससे वह बर्तन टूट गया।

एलेक्स ने कहा,"मेरा बेटा यह देखना चाहता था कि बर्तन के अंदर क्या है। इसलिए उसने बर्तन को खींचने की कोशिश की, जिससे वह गिर गया। इसके बाद मैंने वहां सिक्योरिटी अधिकारी को इस बारे में बताया।"

कांस्य युग का था बर्तन: म्यूजियम के स्टॉफ ने बताया कि यह बर्तन कांस्य युग का है। यानी कि राजा सोलोमन के दौर से भी पहले का है। माना जाता है कि यह लगभग 2200 से 1500 ईसा पूर्व के बीच बना होगा। इसकी विशेषताएं प्राचीन कनान से जुड़ी वस्तुओं से मेल खाती हैं। इस इलाके पर वर्तमान में इजराइल और फिलिस्तीन के हिस्से शामिल हैं। स्टाफ ने बताया कि ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि बर्तन का इस्तेमाल शराब और जैतून का तेल ले जाने के लिए किया जाता होगा। उसने कहा कि अक्सर खुदाई के दौरान मिलने वाले बर्तन टूटे हुए या अधूरे होते हैं। यह बर्तन सही सलामत मिला था, इसलिए बहुत कीमती था। इसे म्यूजियम के मेन गेट के पास ही रखा गया था। हालांकि इस बर्तन को फिर से ठीक कर लिया जाएगा, मगर यह पहले जैसा नहीं हो पाएगा।

हेक्ट म्यूजियम में सभी पुरातात्विक वस्तुओं के आगे कांच नहीं रखा जाता है। म्यूजियम की जनरल डायरेक्टर डॉ. इनबल रिवलिन ने बताया कि इसके फाउंडर डॉ. रूबेन हेक्ट ने यह चलन शुरू किया था। उनका मानना था कि इससे लोग ऐतिहासिक वस्तुओं को करीब से महसूस कर सकते हैं। डॉ. रिवलिन ने कहा कि कई बार वस्तुओं को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जाता है। ऐसे मामलों में कार्यवाही की जाती है। हालांकि, इस मामले में ऐसा नहीं था। उन्होंने बताया कि बच्चे और उसके परिवार को दोबारा म्यूजियम घूमने के लिए बुलाया गया है।

कई म्यूजियम में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं: दुनिया भर के कई म्यूजियम्स में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में 2010 में एक महिला पिकासो की पेंटिंग से टकरा गई थी। ऐसे ही एक अन्य मामले में, शंघाई म्यूजियम ऑफ ग्लास में 2016 में एक बच्चे ने एक स्टेच्यु को खींच कर गिरा दिया था।

प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया गौरवान्वित: सीएम

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ओलंपिक और एशियन गेम्स में पदक जीतकर कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का हुनर निखारने के लिये अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल अधोसंरचना, आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति से प्रशिक्षण, खेल उपकरण और विदेश में प्रशिक्षण दिलाने के साथ 18 खेलों की 11 खेल अकादमियाँ स्थापित की गई हैं। टोकियो ओलंपिक-2020 जापान में प्रथम बार मध्यप्रदेश खेल अकादमी के 10 खिलाड़ियों द्वारा देश का प्रतिनिधित्व किया गया। श्री विवेक प्रसाद सागर एवं श्री नीलाकांत शर्मा काँस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी दल के सदस्य रहे। हाल ही में हुए पेरिस ओलंपिक में प्रदेश से हॉकी के श्री विवेक प्रसाद सागर, शूटिंग के श्री ऐश्वर्य प्रताप सिंह और पैरा ओलंपिक गेम्स में जूडो के श्री कपिल परमार, केनो की सुश्री प्राची यादव और सुश्री पूजा ओझा द्वारा प्रतिभागिता की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर को पेरिस ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीतने पर 1 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि से नवाजा है।

19वें एशियन गेम्स-2023 में हांगजाउ, चाइना में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण, 5 रजत, 3 काँस्य, कुल 14 पदक अर्जित कर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य प्रताप सिंह, पूजा वस्त्रकार, सुदीप्ति हजेला, विवेक प्रसाद सागर, आवेश खान ने प्रदेश का नाम रोशन किया। एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया।

शिवाजी प्रतिमा गिरने पर शिंदे-फडणवीस और पवार ने माफी मांगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार (29 अगस्त) को सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की 8 महीने पुरानी प्रतिमा गिरने पर माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होंने जल्द एक बड़ी मूर्ति बनवाने का भी ऐलान किया। इससे पहले डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी महाराष्ट्र की जनता से माफी मांगी थी। वहीं शिवाजी की मूर्ति गिरने पर अजित पवार वाली एनसीपी ने पूरे राज्य में मौन विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर अजित पवार बोले कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिवाजी महाराज की प्रतिमा 26 अगस्त को दोपहर 1 बजे गिरी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर,

2023 को नेवी डे पर इसका उद्घाटन किया था। पुलिस ने मामले में कॉन्ट्रैक्टर जयदीप आप्टे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इंडियन नेवी ने कहा था कि घटना के जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रतिमा गिरने के कारण का जल्द ही पता लगेगा। मूर्ति की मरम्मत और फिर से स्थापन के लिए एक टीम बनाई गई है।

कोलकाता रेप विक्टिम के घर 3 कॉल किए गए थे

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर नई जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक आरजी कर मेडिकल कॉलेज की तरफ से ट्रेनी डॉक्टर के पेरेंट्स को बताया गया था उनकी बेटी ने सुसाइड कर लिया है। 9 अगस्त की सुबह ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिलने के बाद अस्पताल के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ने उनके पेरेंट्स को एक घंटे के अंदर तीन कॉल किए थे। इन कॉल्स में पेरेंट्स को जल्द से जल्द अस्पताल आने के लिए कहा गया था। अस्पताल की तरफ से पेरेंट्स को किए गए फोन कॉल के ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ये बंगाली में हैं। भास्कर इन ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। हालांकि, विक्टिम के पेरेंट्स ने घटना के अगले दिन ही दावा किया था कि अस्पताल ने उनकी बेटी के मर्डर को सुसाइड बताने की कोशिश की थी।

पहला कॉल- असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ने पेरेंट्स से जल्द से जल्द अस्पताल आने की रिक्वेस्ट की। कहा- आपकी बेटी ठीक नहीं है। क्या आप तुरंत अस्पताल आ सकते हैं? पिता ने वजह पूछी। जवाब मिला- आपकी बेटी की हालत ठीक नहीं है। हम उसे अस्पताल में भर्ती करा रहे हैं। क्या आप तुरंत आ सकते हैं? स्टाफ मेंबर ने कहा- आप जब यहां आएंगे तो डॉक्टर्स आपको बताएंगे क्या हुआ है। आप परिवार है इसलिए हमने आपका नंबर ढूंढा और फोन किया।

ममता बोलीं- डॉक्टर्स के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला

कोलकाता (एजेंसी)। ममता ने कोलकाता में तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाषण दिया था। उनका आरोप है कि उनके भाषण को लेकर गलत खबरें चलाई जा रही हैं। बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को कभी नहीं धमकाया। ममता ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को धमकाया है। ये सरासर झूठ है। भाजपा ने आरोप लगाया है

कि ममता ने बंगाल के उन जूनियर डॉक्टर्स को धमकाया, जो 21 दिन से हड़ताल पर हैं। ये डॉक्टर्स आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के केस में न्याय की मांग कर रहे हैं। इन्होंने अस्पताल में काम के बेहतर माहौल और सुरक्षा पर भी कदम उठाने की मांग की है। डॉक्टर्स ने 10 अगस्त को हड़ताल शुरू की थी। 27 अगस्त को छात्रों ने नबन्ना मार्च निकाला था। इसमें पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई थी और कई लोग घायल हुए थे।

राहुल गांधी ने लिखा- भारत डोजो यात्रा कमिंग सून

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वे जिउ-जित्सु (मार्शल आर्ट का एक फॉर्म) करते दिखाई दे रहे हैं। एक्स पर की गई पोस्ट के आखिर में उन्होंने लिखा है- भारत डोजो यात्रा, कमिंग सून। डोजो यानी मार्शल आर्ट का ट्रेनिंग सेंटर या स्कूल, जहां सेल्फ डिफेंस के लिए अलग-अलग मार्शल आर्ट के फॉर्म सिखाए जाते हैं। इस पोस्ट से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि राहुल जल्द ही सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग के लिए कोई पहल करने वाले हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान, जब हम हजारों किलोमीटर की यात्रा कर रहे थे, तो हमारे कैम्प में हर शाम जिउ-जित्सु प्रैक्टिस का रूटीन था। यह फिट रहने का एक सीधा सा तरीका था। लेकिन यह जल्दी

ही एक कम्युनिटी एक्टिविटी में बदल गया। हम जिस शहर में रुकते वहां यात्रा में शामिल लोग और उन शहरों के यंग मार्शल आर्ट स्टूडेंट्स शामिल होते थे। हमारा मकसद इन युवाओं को इस जेंटल आर्ट की खूबसूरती बताना था। मेडिटेशन, जिउ-जित्सु, आइकिडो और नॉन वॉइलेंट टेक्नीक्स का कॉम्बिनेशन है।

ट्रांसजेंडर आईडी कार्ड पेन एप्लीकेशन के लिए वैध होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पेन कार्ड एप्लीकेशन के लिए ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 के तहत जारी पहचान प्रमाण पत्र (आइडेंटिटी कार्ड) को वैधता दे दी है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट यह जानकारी दी है। अब ट्रांसजेंडर अपने जेंडर आईडी कार्ड से पेन के लिए अप्लाई कर सकेंगे। इससे उन्हें पेन और आधार लिंक करवाने में आसानी होगी। दरअसल, एक ट्रांसजेंडर रेशमा प्रसाद ने 2018 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें केंद्र से आधार

कार्ड की तरह आईडी कार्ड पर तीसरे जेंडर की अलग कैटेगरी का ऑप्शन देने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी, ताकि ट्रांसजेंडर पेन और आधार को लिंक करवा सकें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) एक्ट 2019 के तहत जारी किए गए पहचान पत्र और जेंडर चेंज सर्टिफिकेट को पेन कार्ड आवेदन के लिए वैध डॉक्यूमेंट मानने का सुझाव दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बताया है कि केंद्र ने उसके सुझाव को मान लिया है।

वाईएसआर के 2 राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाईएसआर जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर के 2 राज्यसभा सांसदों ने गुरुवार (29 अगस्त) को पार्टी और संसद से इस्तीफा दे दिया। मोपीदेवी वेंकटरमण और बेदा मस्तान राव ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार के बाद वाईएसआर को यह बड़ा झटका है। दोनों नेताओं को चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी मे शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इन सांसदों के जाने के बाद,वाईएसआर के पास राज्य सभा में 9 और लोकसभा में 4 सांसद रह जाएंगे। मोपीदेवी वेंकटरमण 2020 में राज्यसभा सांसद बने और जून 2026 तक कार्यकाल था। वेंकटरमण जगन मोहन रेड्डी के पिता, दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की सरकार में राज्य मंत्री के रूप में काम किया था। 2019 में वेंकटरमण टीडीपी से वाईएसआर में शामिल हो गए थे। वहीं बेदा मस्तान राव 2022 में राज्यसभा सांसद बने और जून 2028 में कार्यकाल समाप्त होना था।

दिल्ली हाईकोर्ट से ब्रजभूषण को राहत नहीं

गोंडा (एजेंसी)। बृजभूषण सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बृजभूषण के वकील से मामले में एक शार्ट नोट कोर्ट में जमा करने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सवाल उठाया गया। 26 सितंबर को मामले में अगली सुनवाई होगी। हाई कोर्ट ने कहा कि आप मामले की चार्ज फ्रेम होने के बाद कोर्ट क्यों आए। बृजभूषण के वकील ने कहा कि मामले में 6 शिकायतकर्ता हैं, स्क्रुड्रदर्ज कराने के पीछे एक हिडन

एजेंडा है। बृजभूषण के वकील ने कहा- सभी घटनाएं अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग समय पर हुई हैं। ट्रायल के दौरान अब तक अभियोजन पक्ष के दो गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अब यौन उत्पीड़न की शिकार पीड़िताओं के भी बयान दर्ज करने को लेकर नोटिस जारी की गई है। 10 सितंबर को पूरे मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में अगली सुनवाई होगी। सुनवाई में महिला पहलवानों के 10 सितंबर, 12 सितंबर और 13 सितंबर को एक अलग कमरे में राऊज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत द्वारा बयान रिकॉर्ड किया जाएगा। बृजभूषण शरण सिंह के वकील ने बीते 24 अगस्त को सुनवाई के दौरान पूरे मामले का विरोध किया था।

पूजा खेडकर को 5 सितंबर तक गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बर्खास्त ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की जमानत याचिका पर सुनवाई 5 सितंबर तक टाल दी है। पूजा के जवाब पर विचार करने और नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने और समय मांगा है। इसके बाद जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने पुलिस को निर्देश दिया कि आगे की कार्यवाही लंबित रहने तक खेडकर को गिरफ्तार न किया जाए। यूपीएससी ने 31 जुलाई को पूजा का सिलेक्शन रद्द किया था। आयोग ने कहा कि था कि पूजा अब भविष्य में यूपीएससी का कोई एग्जाम नहीं दे पाएंगी। पूजा ने आयोग के इस फैसले को चुनौती दी है। 28 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए कहा कि यूपीएससी के पास उनके खिलाफ कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। तस्वीर राजौरी के खवास तहसील के लाठी-दरदिया इलाके की है। यहां भी आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें दो टेररिस्ट माछिल और एक तंगधार में मारा गया। अभी मारे गए आतंकियों के शव बरामद नहीं हुए हैं। सेना ने बताया कि माछिल और तंगधार में 28-29 अगस्त को देर रात खराब मौसम के बीच संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद यहां सेना और पुलिस ने सर्चिंग शुरू की। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई। दोनों जगह अभी भी सर्चिंग जारी है। तीसरा सर्च ऑपरेशन राजौरी में चल रहा है। यहां बुधवार को 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि 28 अगस्त को रात 9:30 बजे गांव खेरी मोहरा लाठी और दांथल इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान देर रात

करीब 11:45 बजे आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। इंटेलिजेंस ने 27 अगस्त को आर्मी को जानकारी दी थी कि करना सेक्टर और माछिल सेक्टर के कुमकडी में घुसपैठ हो सकती है। इसके बाद दोनों जगहों पर आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टुकड़ियां भेजी गई थीं।

हरियाणा चुनाव में पहले ईडी की एंट्री, कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से जुड़ी करोड़ों की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और ईएमएआर और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड सहित अन्य आरोपियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 834 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। संपत्तियां गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। मामले में आरोप लगाया गया है कि ईएमएआर-एमजीएफ ने हुड्डा और निदेशक डीटीसीपी त्रिलोक चंद गुप्ता की मिलीभगत से कम कीमत पर जमीन का अधिग्रहण किया, जिसके परिणामस्वरूप जनता और सरकार दोनों को काफी नुकसान हुआ। संघीय एजेंसी ने कुल 401.65479 एकड़ को अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया है, जिसका मूल्यांकन मेसर्स ईएमएआर इंडिया लिमिटेड के लिए 501.13 करोड़ रुपये और मेसर्स एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड के लिए 332.69 करोड़ रुपये है।

ये संपत्तियां हरियाणा के गुरुग्राम जिले और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। जांच गुड़गांव के सेक्टर 65 और 66 में एक प्लॉट कॉलोनी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर केंद्रित है, जिसमें दोनों कंपनियां शामिल हैं। ईडी ने आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा, डीटीसीपी के तत्कालीन निदेशक त्रिलोक चंद गुप्ता और मेसर्स ईएमएआर एमजीएफ लैंड लिमिटेड के साथ-साथ 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों का नाम शामिल है। यह मामला ज़मीन मालिकों, जनता और हरियाणा/हुडा राज्य को धोखा देने के आरोपों पर केंद्रित है। आरोपियों पर भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी करने और अधिसूचना से पहले प्रचलित बाजार दरों की तुलना में काफी कम अधिनियम की धारा 6 के तहत अधिसूचना जारी करने का आरोप है।

आईपीएल के नये सत्र में बदलावों के साथ नजर आ सकती है सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आईपीएल के अगले सत्र में बदली बदली सी नजर आयेगी। इसमे अनुभवी आजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर शायद ही नजर आयें। इस बार होने वाली नीलामी में इन्हें रिटेन (बरकरार) रखे जाने की संभावना नहीं है। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ियों को भी शायद ही रखा जाये। कहा जा रहा है कि इस बार टीम पहले के 6 खिलाड़ियों को बनाये रखेगी। सीएसके के पास अभी 25 खिलाड़ी हैं इसमें विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 8 है। वहीं देश के ही 17 खिलाड़ी हैं। इसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इस साल के अंत में दिसंबर महीने में होगी तभी साफ होगा कि किसे टीम में जगह मिलती है किसे नहीं। आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की मांग टीमें कर रही हैं, ऐसे में अगर बीसीसीआई खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 करता है तो सीएसके 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। सीएसके के पास मौजूदा अभी 25 खिलाड़ी हैं।

सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई सचिव के रूप में जय शाह के कामकाज की प्रशंसा की

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव के रूप में पुरुष और महिला क्रिकेट को सामान प्राथमिकता देने के उनके प्रयासों के कारण भारतीय बोर्ड अन्य संचालन संस्थाओं से काफी आगे निकल गया। शाह ने अक्टूबर 2019 में बीसीसीआई का पद संभाला था। वह पांच साल तक इस पद पर रहे जिसे अब उन्हें छोड़ना पड़ेगा। वह एक दिसंबर को आईसीसी में अपना पद संभालेंगे। तेंदुलकर उन कई क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्होंने शाह को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा,''उत्साही होना और क्रिकेट के लिए कुछ अच्छा करने की भावना रखना एक क्रिकेट प्रशासक के लिए आवश्यक गुण हैं। जय शाह ने बीसीसीआई सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इन गुणों का अच्छी तरह से उपयोग किया।'' उन्होंने कहा,''महिला क्रिकेट और पुरुष क्रिकेट दोनों को प्राथमिकता देने की दिशा में उनके प्रयासों ने बीसीसीआई को अग्रणी बना दिया है जिसका अन्य बोर्ड भी अनुसरण कर सकते हैं। मैं उन्हें अपनी अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह सबसे कम उम्र में आईसीसी के अध्यक्ष बने हैं।'' शाह आईसीसी के प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय होंगे और तेंदुलकर को उम्मीद है कि वह इस विरासत को आगे ले जाने में सफल रहेंगे। तेंदुलकर ने कहा,''भारत के कई खेल प्रशासकों ने इससे पहले भी आईसीसी का नेतृत्व किया है। इनमें जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर शामिल हैं। मुझे यकीन है कि वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाएंगे और क्रिकेट के खेल को आगे ले जाने में सफल रहेंगे।'' शाह के कार्यकाल के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रहे पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा,''आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नयी भूमिका के लिए जय शाह को बधाई और अगली पारी के लिए शुभकामनाएं।'' भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा,''जय शाह को आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने पर बहुत बहुत बधाई और भविष्य में सफल बनने के लिए शुभकामनाएं।'' भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने लिखा, ''हार्दिक बधाई जय शाह।'' तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा,''बधाई जय शाह भाई।

रोहित , विराट एक बार पाक का दौरा करें-कामरान अकमल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के काफी प्रशंसक उनके यहां भी हैं। इसलिए रोहित और विराट को संन्यास से पहले एक बार पाक का दौरा जरुर करना चाहिये। अकमल ने कहा कि भले ही दोनों ने टी20 से संन्यास ले लिया है पर टेस्ट और एक दिवसीय प्रारुप में ये खेल सकते हैं। पाक क्रिकेटर ने कहा कि ये दोनो ही आज खेल के सबसे बड़े सितारे हैं और प्रशंसक भी इन्हें बेहद चाहते हैं। साथ ही कहा कि पाक में उन्हें जो फैन फॉलोइंग मिलेगी, वह सबसे अधिक रहेगी।अकमल ने कहा कि इन दोनो के अलावा जसप्रीत बुमराह को भी पाक में बेहद पसंद किया जाता है। बुमराह ने हालांकि आज तक पाक का दौरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विराट एक रोल मॉडल हैं, रोहित विश्व कप विजेता कप्तान हैं और बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। जब ये तीनों पाकिस्तान का दौरा करेंगे तो इससे देश के प्रशंसकों को विशेष अहसास होगा। साथ ही कहा कि जब विराट अपने अंडर-19 दिनों के दौरान पाकिस्तान में खेलते थे तो तब वह कोई जाना-पहचाना नाम नहीं थे पर अगर अब विराट आते हैं, तो वह यहां अपनी लोकप्रियता देख हैरान हो जाएंगे। पाकिस्तान में उन्हें काफी समर्थन मिलेगा। वह पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर हैं। उनकी फैन फॉलोइंग किसी भी अन्य क्रिकेटर से ज्यादा है।

प्रधानमंत्री मोदी के हौंसला बढ़ाने से सर्वश्रेष्ठ पदर्शन की मिलती है प्रेरणा - मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है कि 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उसका भविष्य उज्जवल है और ये बात सही निकली। मनु ने कहा कि प्रधानमंत्री पदक विजेताओं को सम्मान करने के दौरान उनका हौंसला भी बढ़ते रहते हैं जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मनु ने खेल दिवस पर पुरानी बातों को याद कर कहा, तब प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा बन गये। न केवल सफलता के अवसरों पर बल्कि असफलता के दौर में भी प्रधानमंत्री साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक नहीं जीत पायीं थीं जब प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बात की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर बात पर नजरें बनाये रखते हैं। प्रधानमंत्री परिणाम की परवाह किए बिना हर एथलीट को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

तिरुअनंतपुरम पहुंचे पीआर श्रीजेश का हुआ अपमान, केरल सरकार ने बिना बताए टाल दिया दिग्गज का सम्मान समारोह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी के दिग्गज पीआर श्रीजेश के देश में कई फैंस मिल जाएंगे। दो बार ओलंपिक मेडलिस्ट श्रीजेश की झलक पाने को फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। फैंस उन्हें सिर-आंखों पर बैठाते हैं लेकिन केरल की माकपा सरकार पर ये बात बिल्कुल फिट नहीं बैठती। उनके लिए शायद ओलंपिक पदक विजेता की कोई अहमियत ही नहीं है, नहीं तो उसके अधिकारी ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश का अपमान क्यों करते।

हैरान मत होएं, 26 अगस्त को पीआर श्रीजेश को तब शर्मसार होना पड़ा, जब वह परिवार समेत अपने घर कन्नूर से 485 किलोमीटर का सफर कर केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम पहुंचे। तिरुअनंपुरम में सोमवार 26 अगस्त 2024 को कन्नूर से तिरुवनंतपुरम पहुंचे। पीआर श्रीजेश और उनका परिवार रविवार 25 अगस्त 2024 को कन्नूर से तिरुवनंतपुरम पहुंचे। इस बीच शनिवार की रात अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थगित करने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने श्रीजेश को इस बारे में सूचित भी नहीं किया गया। पीआर श्रीजेश को राजधानी पहुंचने पर ही कार्यक्रम स्थगित होने की जानकारी मिली। जिसके बाद उन्होंने परिवार के सात घर लौटने की फैसला किया। साथ ही उन्होंने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि, मैं अभी इस स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता हूं। इस बीच इस घटना को लेकर पिनाराई विजयन सरकार के भीतर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है।

जहीर खान ने आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर के नियम को बरकरार रखने की सिफारिश की

कोलकाता (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के नवनियुक्त मेंटर जहीर खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर के नियम को बरकरार रखने की सिफारिश की क्योंकि उनका मानना है कि इससे भारतीय क्रिकेट में काफी सुधार होगा। जहीर ने बुधवार को लखनऊ की टीम में मेंटर की भूमिका संभाली। यह पद 2023 के अंत में भारत के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर के जाने से खाली पड़ा था। जहीर ने यहां पत्रकारों से कहा,''इंपैक्ट प्लेयर नियम को लेकर काफी चर्चा हुई है। मेरा मानना है कि इस नियम को बरकरार रखा जाना चाहिए।'' आईपीएल 2023 में इंपैक्ट प्लेयर का नियम लागू किया गया था जिसको लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया मिली। विराट कोहली ने पिछले सत्र में कहा था कि इससे खेल का संतुलन बिगड़ा है जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया था कि वह इस नियम के बड़े प्रशंसक नहीं हैं। जुलाई में आईपीएल के टीम मालिक और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के बीच बैठक के दौरान इंपैक्ट प्लेयर को लेकर टीम एकमत नहीं थी। लेकिन जहीर का मानना है कि इससे भारत के युवा खिलाड़ियों को काफी मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा,''इससे निश्चित तौर पर भारत के युवा खिलाड़ियों को मौके मिलेंगे। आपको मेगा नीलामी में इसका असर देखने को मिलेगा जब फ्रेंचाइजी टीमों की निगाहें इस तरह के खिलाड़ियों पर होगी।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा,'' युवा खिलाड़ियों को इस तरह के मौके मिलने से भविष्य में भारतीय क्रिकेट में काफी सुधार होगा। मैच अभ्यास का कोई सानी नहीं होता है और यह इस नियम का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है।

इस फुटबॉलर की मौत से शोक में डूबा पूरा फुटबॉल जगत

नई दिल्ली(एजेंसी)। साउथ अमेरिकी फुटबॉल के लिए मंगलवार का दिन अच्छा नहीं रहा। उरुग्वे के 27 साल के डिफेंडर हुआन इजक्यूडेरो की मैदान पर बेहोश होने के बाद मौत हो गई। हुआन 27 अगस्त को भी इसी तरह मैदान पर बेहोश हुए थे और मेडिकल निगरानी में थे। कोपा लिबटर्गडोरेस के मैच के 84वें मिनट में हुआम जमीन पर गिर गए। उनकी किसी से कोई टक्कर नहीं हुई थे। मैदान पर गिरते ही उन्हें फौरन एंबुलेंस से एलबर्ट आइंसटीन हॉस्पिटल ले जाया गया जहां आईसीयू में उनका इलाज चला। यहीं पर उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया जिसकी वजह से हुआन की मौत हो गई। हुआन के क्लब, क्लब नेशनल डी फुटबॉल अपने प्रिय खिलाड़ी हुआन इज़क्विएर्डो के निधन के बारे में बताते हुए अत्यंत दुख और सदमे में है। हम उनके परिवार, मित्रों, सहकर्मियों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नेशनल के सभी लोग उनके अपूरणीय नुकसान पर शोकर व्यक्ति कर रहे हैं। हुआन, आप हमेशा हमारे साथ रहेंगे।

इसके साथ ही साउथ अमेरिका फुटबॉल संग ने भी इस पर शोक व्यक्त किया है। अध्यक्ष अलेजिएंड्रो डोमिनगेज ने कहा कि, हुआन के इस तरह जाने का हमें बहुत दुख है। साउथ अमेरिका फुटबॉल इस पर दुख जताता है। उरुग्वे के खिलाड़ियों ने भी इस पर निराशा जाहिर की है।

भारत में ओलंपिक जरूर होने चाहिए, इससे खेलों में योग्यता को बढ़ावा मिलेगा-राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली सही दिशा में उठाया गया कदम है क्योंकि इससे ना केवल लोगों को प्रेरणा मिलेगी बल्कि देश के खेल परिदृश्य में योग्यता को भी बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में 'पीटीआई' के वरिष्ठ संपादकों के साथ विशेष बातचीत की और कबड्डी जैसे भारत के स्वदेशी खेलों की प्रशंसा की। मुर्मू ने कहा, ''मुझे खेल देखना पसंद है, हालांकि मुझे खेलने के बहुत ज्यादा मौके नहीं मिले। लेकिन जब भी मौका मिला, मैंने भारतीय खेलों को प्राथमिकता दी।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''ओलंपिक निश्चित रूप से भारत में होने चाहिए। इससे लोग प्रेरित होंगे और खेलों में योग्यता को बढ़ावा मिलेगा।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने 'पीटीआई-भाषा' के लिए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर विशेष हस्ताक्षरित लेख भी लिखा। मेजबान देश पर निर्णय 2026 से पहले लिए जाने की उम्मीद नहीं है और यह 2027 में भी हो सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अगले साल अपने चुनाव कराने के बाद ही प्रक्रिया शुरू करेगी। पोलैंड, मैक्सिको, इंडोनेशिया, कतर और सऊदी अरब उन देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने में रुचि दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी महीने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयेजन की देश की क्षमता पर भरोसा जताया था। उन्होंने कहा था, ''भारत का सपना 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना है, हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं।'' मुर्मू ने जून में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था।

उन्होंने पिछले महीने राष्ट्रपति भवन में साइना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेलते हुए अपनी तस्वीरें साझा की थीं। तस्वीरों के कैप्शन में लिखा था कि राष्ट्रपति को 'खेलों से स्वाभाविक प्यार है'। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन से एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के ट्रॉफी दौरे को भी हरी झंडी दिखाई थी।

एशियन चैंपियन बनने को तैयार है भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। लगातार दो ओलंपिक मेडल जीतने के बाद देश में इस खेल के प्रति लोगों का प्यार और लोकप्रियता बढ़ी है। टीम के खिलाड़ियों ने पेरिस के बाद अपने अगले मिशन की तैयारी शुरू कर दी है। भारतीय हॉकी का अगला मिशन एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के दस सदस्य इस टीम में हैं। एक लंबे अरसे बाद ऐसा मौका होगा जब टीम बिना दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश के बिना उतरेगी। पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृषन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है। बता दें कि, श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। उनकी जगह पाठक ने ले ली है। जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे। 2021 में भी टोक्यो ओलंपिक के बाद एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उन्हें आराम दिया गया था।

भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे। ये टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जाएगा। अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है।

बाजार में देर रात बवाल

मृत रेडीमेड व्यापारी की पत्नी ने बेचा माल, तो दुकान के सामने जमा हो गई व्यापारियों की भीड़

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के बाजार में देर रात जमकर हंगामा हुआ। बड़ी संख्या में व्यापारी एक दुकान के बाहर जमा हो गए और शोरगुल के बीच विवाद के हालात बन गए नतीजतन पुलिस को भी मौके पर पहुंचना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, शहर के बिहारी चौक के पास स्थित वीआईपी कलेक्शन नाम की रेडीमेड कपड़ों की दुकान के बाहर बुध्वाई को देर रात व्यापारियों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोग कुछ बाहरी लड़कों को भी लेकर पहुंचे थे नतीजतन यहां शोर गुल शुरू हो गया और विवाद की आशंका जताई जाने लगी।

कोई दुकान का शटर पीट रहा था तो कोई दुकान के अंदर घुसने के लिए प्रयासरत था। काफी देर तक बनी रही इस स्थिति के बीच भाजपा नेता मनीष तिवारी भी वहां पहुंच गए और फिर सिटी कोतवाली पुलिस भी मौके पर आ गई जिसके बाद भीड़ तितर - बितर हुई और मामला शांत हुआ। दुकान में फिलहाल ताला लगवा दिया गया है।

बताया जाता है कि वीआईपी कलेक्शन के संचालक प्रकाश लालवानी की पिछले दिनों हत्या हो गई थी। वह चेट्री चंड के दिन लापता हो गया था और फिर कई दिनों बाद उसका शव बगहा के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के टैंक में पड़ा मिला था।

प्रकाश ने कारोबार के लिए बाजार के व्यापारियों से उधार माल लिया था। उसकी मौत के बाद व्यापारियों ने उसके परिजनों से कहा था कि वे कारोबार करें, माल बेचें और उन्हें उनका पैसा दे दें। इतना ही नहीं अगर और कोई सहायता भी चाहिए हो तो वो भी बताएं। लेकिन इसी बीच प्रकाश की पत्नी ने देवेंद्रनगर के किसी व्यापारी से दुकान में रखे माल का सौदा कर लिया।

बुधवार को सुबह एक ऑटो में माल लोड होकर निकला तो व्यापारियों को आशंका हुई। दिन भर चली चर्चाओं के बाद व्यापारियों को जब यह स्पष्ट हो गया कि दुकान का माल बेचा जा रहा है जबकि उस पर उनके रुपए बकाया हैं तो वे रात में दुकान के बाहर जमा हो गए।

सीनियर क्रिमिनल लॉयर समेत 5 के खिलाफ एफआईआर

नाराज वकील पहुंचे एसपी ऑफिस, बोले- टीआई पर लीजिए एक्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। छेड़खानी के मामले में फरियादी को धमकाने के आरोप में सीनियर क्रिमिनल लॉयर समेत 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सतना पुलिस मुश्किल में पड़ गई है। इस मामले में लामबंद हुए वकीलों ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और अधिवक्ता संघ के बैनर तले एसपी ऑफिस जा पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक, अदालत में विचाराधीन नाबालिग के साथ छेड़खानी के एक मामले में पीड़िता को बयान बदलने के लिए धमकाने के आरोप में सिविल लाइन थाना पुलिस ने प्रकरण के आरोपी समेत 5 लोगों के खिलाफ बुधवार को देर रात मुकदमा दर्ज किया है। जिनके खिलाफ प्रकरण कायम किया गया है। उनमें कल्याण सिंह उसके पिता दमन सिंह, भाई रावेंद्र सिंह तथा मां शोभा सिंह सभी निवासी रामपुर चौरासी के अलावा सतना के सीनियर क्रिमिनल लॉयर रामानुज सेन भी शामिल हैं। शिकायत कर उन पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने पीड़िता को अदालत में बयान बदलने के लिए धमकाया। गत 27 अगस्त को अदालत में जब पीड़िता गवाही देने गई थी तब भी उस पर दबाव बनाया गया और फिर रात लगभग 11 बजे घर पहुंच कर भी न केवल आरोपियों में धमकाया बल्कि रास्ता रोका और मारपीट भी की।

भड़के वकील पहुंचे एसपी ऑफिस: सीनियर क्रिमिनल लॉयर आरएन सेन के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की खबर जब गुरुवार की सुबह कचहरी में वकीलों को मिली तो उनका आक्रोश भड़क उठा। वकील लामबंद हो गए और अधिवक्ता संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में पुलिस अधीक्षक कार्यालय जा पहुंचे। वकीलों ने एडिशनल एसपी शिवेश प्रताप सिंह से मुलाकात की और सिविल लाइन पुलिस की इस कार्रवाई पर सख्त नाराजगी तथा ऐतराज जताया।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बद्री विशाल पाठक के नेतृत्व में आए अधिवक्ताओं ने एडिशनल एसपी को ज्ञापन सौंपा और जांच कर झूठे मुकदमे को खत्म करने तथा सिविल लाइन थाना प्रभारी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की। एडिशनल एसपी ने अधिवक्ताओं को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। इस मामले में सीनियर एडवोकेट आरएन सेन का कहना है कि उनके खिलाफ साजिश रच कर झूठा मामला दर्ज कराया गया है। लंबे करियर में उन पर कभी कोई आरोप नहीं लगे।

चित्रकूट में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन, शिक्षकों ने मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियां बताई

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट प्रजायत्न संस्था के तत्वावधान में दानी फाउंडेशन के छलांग कार्यक्रम के तहत चित्रकूट और पहाड़ी के 50 विद्यालयों में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 25-25 नोडल शिक्षकों द्वारा किया गया।

इस दौरान महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। सभी विद्यालयों में विभिन्न खेल गतिविधियां जैसे खो-खो, कबड्डी और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अलावा, शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योगा और व्यायाम सत्र भी आयोजित किए गए। बच्चों को शारीरिक शिक्षा के महत्व और खेलों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर निबंध लिखने का भी अवसर दिया गया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र समन्वयकों के साथ-साथ पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर अनिल और प्रिया ने भी सक्रिय सहभागिता की। कंपोजिट विद्यालय बरवारा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रजायत्न संस्था के प्रतिनिधि अमित, सूर्यकांत, अनुज, प्रेमचंद्र, और नीलू ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही बताया गया कि इस आयोजन से बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में सहायता मिलेगी।

अमावस्या मेला की तैयारियों को लेकर बैठक

मजिस्ट्रेट-पुलिस समन्वय बनाकर काम करें, ड्यूटी स्थल का पहले से निरीक्षण कर लें :कमिशनर

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट धाम मंडल में सोमवती अमावस्या मेला की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी और पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने की। इस दौरान डीएम शिवशरणप्पा जीएन और एसपी अरुण कुमार सिंह भी बैठक में मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार सोमवती अमावस्या 2 सितंबर 2024 को पड़ रहा है। मेले का आयोजन 1 सितंबर से 3 सितंबर तक किया जाएगा। सुरक्षा और व्यवस्थाओं के दृष्टिगत मेले को 7 जोन और 20 सेक्टर में विभाजित किया गया है। जिसमें जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी नए नियुक्त मजिस्ट्रेट अपने ड्यूटी स्थल का पहले से निरीक्षण कर लें। जिससे किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश भी दिए। जिसमें गोताखोरों की तैनाती और नाव संचालकों की दक्षता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने सभी सेक्टरों में सीसीटीवी कैमरों की कार्य शीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रेनों में आने वाली भीड़ पर विशेष नजर रखी जाए और पार्किंग स्थलों पर सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मेले के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने कहा कि दिए गए सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। बैठक में जीआरपी झांसी के पुलिस अधीक्षक विपुल कुमार श्रीवास्तव, सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद असलम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

ईसीसी एजुकेटर भर्ती रद्द करने की मांग, कहा- सरकार उनका मानदेय बढ़ाए

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर श्रेष्ठ (अर्ली चाइल्डहुड केयर) एजुकेटर की भर्ती को रद्द करने की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी सहायक संघ की जिला अध्यक्ष इच्छा द्विवेदी ने बताया कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को पढ़ाने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से ईसीसी एजुकेटर की भर्ती की जा रही है, जो गलत है।

उन्होंने कहा कि उनको केवल 6 हजार रुपए का मानदेय मिलता है और वे कई वर्षों से बच्चों की शिक्षा सहित अन्य सेवाओं का काम संभाल रही हैं। इसके बावजूद सरकार 10 हजार रुपए के मानदेय पर बाहरी एजुकेटर की भर्ती कर रही है। जो उनके साथ अन्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि श्रेष्ठ एजुकेटर की भर्ती रद्द की जाए और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ही बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाए।

मानदेय बढ़ाने की उठाई मांग: उन्होंने कहा कि वे वर्षों के अनुभव के साथ बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाने में सक्षम हैं। उनकी मांग है कि उनका मानदेय भी बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाए। जिससे वे अपनी सेवाएं और भी प्रभावी ढंग से दे सकें।

समस्या के समाधान की अपील की: इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुईं। जिन्होंने कलेक्ट्रेट के सामने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और सरकार से जल्द से जल्द उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की।

किसान की हत्या मामले में 3 आरोपियों को सजा

7-7 साल की सजा सुनाई गई, ट्रेन की पटरी पर फेंक दिया था

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में एक बुजुर्ग किसान की मौत शिकारियों द्वारा जंगल में बिछाए गए करंट युक्त तार में फंसने से हो गई। शिकारियों ने इस घटना को छिपाने के लिए किसान के शव को रेलवे पटरी पर फेंक दिया। मामले की जांच के बाद, न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी पाया और उन्हें सात-सात साल की जेल की सजा सुनाई। साथ ही, प्रत्येक पर 12 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

खेतों में फसल की रखवाली के लिए गए थे: यह घटना 20 मार्च 2022 की है। जब बरगढ़ थाने के मोजरा मौजा मुरका गांव के निवासी दीपक सिंह ने अपने पिता गिरबधारी सिंह की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दीपक सिंह ने बताया कि 19 मार्च की रात उनके पिता खेतों में फसल की रखवाली के लिए गए थे, लेकिन घर नहीं लौटे।

खोजबीन के दौरान खेत पर उनके खून से सने जूते और जमीन पर खून मिला। थोड़ी देर बाद उनका शव रेलवे लाइन के पास पाया गया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि गांव के ही बब्बू उर्फ रामपाल विश्वकर्मा, रामजतन कोल और शिवसागर सिंह पटेल जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए खेतों में करंट युक्त तार बिछाते थे।

12 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई: गिरबधारी सिंह इस बात का विरोध करते थे, इसलिए इन तीनों ने उन्हें मारने के लिए खेत में करंट युक्त तार बिछा दिया। तार में फंसने से गिरबधारी सिंह की मौत हो गई। सबूत मिटाने के लिए आरोपियों ने उनके शव को रेलवे पटरी पर फेंक दिया।

सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने गुरुवार को अपना निर्णय सुनाते हुए तीनों आरोपियों को गैर इरादतन हत्या और साक्ष्य नष्ट करने का दोषी पाया। उन्हें सात-सात साल की जेल और 12 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

बाड़ी में फॉर्च्यूनर कार खड़े कंटेनर में पीछे से घुसी, ड्राइवर की मौत

सतना निप्र। रायसेन जिले के बाड़ी से करीब पांच किलो मीटर दूर हरसिली टोल नाके के पास शाने पंजाब होटल के सामने एक फॉर्च्यूनर कार खड़े कंटेनर में पीछे से घुस गई। हादसा गुरुवार दोपहर तीन बजे हुआ। मौके पर कार ड्राइवर जंगेन्द्र की मौत हो गई। जबकि कार सवार अशोक कुमार अग्रवाल और उनकी पत्नी ज्योति अग्रवाल को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। महिला की हालत गंभीर है। सभी मैहर के बताए जा रहे हैं जो भोपाल जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। चालक को बड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया।

ब्रेक फेल होने से क्लिंकर लदा ट्रक पलटा

चालक और सह चालक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट बगदरा घाटी में गुरुवार सुबह एक हादसा हो गया। जब ब्रेक फेल होने के कारण क्लिंकर से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक प्रमोद कुमार और सह चालक रविंदर घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना गुरुवार लगभग 3:30 बजे की है। घायल ट्रक चालक प्रमोद कुमार ने बताया कि वह सतना से क्लिंकर लादकर चित्रकूट के रास्ते रायबरेली जा रहे थे। जैसे ही ट्रक बगदरा घाटी पहुंचा, ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। जिसके कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

ट्रक को हटाने का प्रयास किया जा रहा: प्रमोद कुमार को मामूली चोटें आईं। जबकि सह चालक रविंदर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर 108 एंबुलेंस पहुंची। दोनों को सोनेपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। ट्रक को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे के बाद से बगदरा घाटी में यातायात बाधित हो गया है। जिसे जल्द ही सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

त्योहारों पर रेलवे ने दी सौगात

रानी कमलापति-दानापुर के बीच चलेंगी दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आगामी त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की भीड़ तथा सुविधा के लिए रेलवे ने तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ के मुताबिक, अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है।

इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी और सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। रीवा-रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति एवं जबलपर- दानापुर-जबलपुर के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेनें 40 फेरे लगाएंगी।

रीवा-रानी कमलापति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन लगाएगी 12 फेरे: 02190 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 05 अक्टूबर 24 से 09 नवंबर 24 तक प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12:30 बजे रीवा से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात्रि 21:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। यह गाड़ी 6 चक्कर लगाएगी। इसी तरह 02189 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 05 अक्टूबर 24 से 09 नवंबर 24 तक प्रत्येक शनिवार को रात्रि 22:15 बजे रानी कमलापति से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07:20 बजे रीवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 6 चक्कर लगाएगी।

स्टॉपेज - सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना एवं विदिशा ।

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन लगाएगी 12 फेरे -

01661 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 26 अक्टूबर 24 से 12 नवंबर 24 तक प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को दोपहर 14:25 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह गाड़ी 6 फेरे लगाएगी।

इसी तरह 01662 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 27 अक्टूबर 24 से 13 नवंबर 24 तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को सुबहर 11:45 बजे दानापुर से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07:40 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। यह ट्रेन 6 चक्कर लगाएगी।

ठहराव- नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा।

जबलपुर-दानापुर-जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन लगाएगी 16 फेरे -

01705 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर 24 से 15 नवम्बर 24 तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को रात 19:35 बजे जबलपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। ये गाड़ी 8 फेरे लगाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।